मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 32
शुक्रवार, 08 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

उधमपुर में बड़ा हादसा, खाई में गिरी सीआरपीएफ की बस, तीन जवानों की मौत, 15 घायल

उधमपुर, 07 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में कंडवा के पास गुरुवार को एक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन जवानों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 23 जवानों को ले जा रहा सीआरपीएफ का वाहन उधमपुर जिले में सड़क से फिसलकर एक नाले में गिर गया। यह घटना सुबह करीब 10:30 बजे कदवा इलाके में हुई जब सुरक्षाकर्मी बसंत गढ़ में एक ऑपरेशन से लौट रहे थे। यह वाहन बल की 187वीं बटालियन का था।

दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 16 अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को तुरंत पास के एक अस्पताल ले जाया गया, जहाँ एक और जवान की मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सीआरपीएफ कर्मियों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल कार्यालय ने एक पोस्ट में कहा, ₹उधमपुर के पास एक दुर्घटना में सीआरपीएफ कर्मियों की मृत्यु से दुखी हूँ। हम राष्ट्र के प्रति उनकी अनुकरणीय सेवा को कभी नहीं भूलेंगे। मेरी संवेदनाएँ शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। वरिष्ठ अधिकारियों को सर्वोत्तम संभव देखभाल और सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स को ट्वीट कर घटना पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कंदवा-बसंतगढ़ क्षेत्र में सीआरपीएफ के एक वाहन के साथ हुई सड़क दुर्घटना की खबर सुनकर व्यथित हूँ। वाहन में सीआरपीएफ के कई बहादुर जवान सवार थे। मैंने अभी-अभी डीसी सुश्री सलोनी राय से बात की है, जो व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रही हैं और मुझे जानकारी दे रही हैं। बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिए गए हैं। स्थानीय लोग स्वेच्छा से मदद के लिए आगे आए हैं। हर संभव मदद सुनिश्चित की जा रही है।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में ट्रक की चपेट में आने से चार नाबालिग लड़कों की मौत, दो घायल

गढ़चिरौली, 07 अगस्त। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में बृहस्पतिवार सुबह एक ट्रक के टक्कर मारने से चार नाबालिग लड़कों की मौत हो गई और दो अन्य लड़के घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब पांच बजे आरमोरी-गढ़चिरौली राजमार्ग पर हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 12 से 16 वर्ष की आयु के छह नाबालिग लड़के जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर कटली गांव में सड़क किनारे बैठे थे तभी एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी।

उन्होंने बताया कि इन लड़कों में से चार की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। राज्य के

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस दुर्घटना पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। दुःख और क्षति की इस कठिन घड़ी में हम उनके साथ हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि दोनों घायलों का गढ़चिरौली जनरल अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा, घायलों को नागपुर ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की गई है। फडणवीस ने कहा, मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी और घायलों के इलाज का सारा खर्च राज्य सरकार उठाएगी।

कमजोर प्रधानमंत्री साबित हो रहे हैं मोदी: अशोक गहलोत

जयपुर, 07 अगस्त। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह कमजोर प्रधानमंत्री साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी के शासन में भारत चौतरफा घिर रहा है।

गहलोत ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में भारत चौतरफा घिर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत के खिलाफ अनर्गल बोल रहे हैं। ट्रंप अब तक 30 बार भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने का दावा कर चुके हैं। अब वह भारत के व्यापारिक हितों के खिलाफ फैसले कर रहे हैं।

उन्होंने कहा इस सबके बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार भी उनका नाम लेकर

बयान नहीं दे सके हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, चीन और पाकिस्तान अब खुलकर भारत के खिलाफ हो गए हैं। हमारी सेनाओं ने मजबूती से उनको मुंहतोड़ जवाब दिया परन्तु राजनीतिक एवं राजनयिक मोर्चे पर भारत अकेला पड़ गया। यह मोदी की असफलता है।

गहलोत ने लिखा, मोदी संसद में भी स्पष्ट जवाब देने की बजाय बातें घुमाते दिखे।

उनकी सरकार देश हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संसद में बहस तक नहीं कर पा रही है। नौकरी देने में मोदी पूरी तरह विफल हुए हैं। बेरोजगारी से युवाओं में हाहाकार मचा हुआ है। उन्होंने कहा, 56 इंच का सीना होने का दावा करने वाले नरेन्द्र मोदी एक कमजोर प्रधानमंत्री साबित हो रहे हैं।

खड़गे ने ट्रम्प टैरिफ को लेकर मोदी पर कसा तंज

नई दिल्ली, 07 अगस्त। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50% आयात शुल्क लगाने के लिए सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज़िम्मेदार ठहराया। खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में तंज कसते हुए कहा कि आप इस विदेश नीति की दुर्दशा के लिए कांग्रेस के 70 सालों को भी दोष नहीं दे सकते। भारत के राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च बताते हुए उन्होंने कहा कि जो भी देश भारत को उसकी रणनीतिक स्वायत्तता के लिए दंडित करता है, वह यह नहीं समझता कि भारत किस मजबूत ढांचे से बना है।

खड़गे ने 1971 के बांग्लादेश युद्ध के दौरान सातवें बेड़े के खतरे और परमाणु परीक्षणों के बाद लगाए गए प्रतिबंधों का हवाला देते हुए कहा कि ये ऐसे क्षण थे जब भारत ने अमेरिका के साथ आत्मसम्मान और गरिमा के साथ रिश्ते बनाए रखे। उन्होंने कहा कि अब भारत की ओर से कूटनीति विनाशकारी रूप से लड़खड़ा रही है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि अगर 50% टैरिफ लगाया गया तो भारतीय अर्थव्यवस्था पर ?3.75 लाख करोड़ का बोझ पड़ेगा। उन्होंने विशेष रूप से छोटे उद्योगों, कृषि, फार्मा और कपड़ा उद्योग सहित अन्य क्षेत्रों के लिए चिंता व्यक्त की।

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी को टैग किया और सरकार की पहले से कार्रवाई न करने की कथित विफलताओं के बारे में अपने तर्क को पुष्ट करने के लिए कुछ उदाहरण दिए। उन्होंने इस ओर इशारा किया कि जब ट्रंप ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराने का दावा किया था, तब प्रधानमंत्री मोदी कैसे चुप रहे थे।खड़गे के पोस्ट में कहा गया है, (ट्रंप) कम से कम 30 बार दावा कर चुके हैं और यह सिलसिला जारी है। उन्होंने नवंबर 2024 तक का भी ज़िक्र किया, जब ट्रंप ने ब्रिक्स देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। खड़गे ने लिखा, जब ट्रंप 'ब्रिक्स' को खत्म' घोषित कर रहे थे, तब प्रधानमंत्री मोदी वहाँ बैठे, साफ तौर पर मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे थे !₹ वरिष्ठ नेता ने मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने केंद्रीय बजट में झटके को कम करने के लिए पर्याप्त उपाय नहीं किए, जबकि उन्होंने कहा कि ट्रंप के इरादे पहले से ही पता थे।

लोस में अपतटीय खनन ब्लॉकों की नीलामी पर तारांकित प्रश्न रहस्यमय तरीके से वापस लिये गयेः कांग्रेस

नई दिल्ली, 07 अगस्त। कांग्रेस ने दावा किया कि अपतटीय खनन ब्लॉकों की नीलामी पर लोकसभा में भाजपा के दो सांसदों के नाम से पूछे गए तारांकित प्रश्न को बिना किसी स्पष्टीकरण के अंतिम समय पर रहस्यमय तरीके से वापस ले लिया गया।

यह प्रश्न, जो अंडमान और अरब सागर में अपतटीय खनन के लिए बोली लगाने से संबंधित था, ओडिशा से भाजपा के दो सांसदों अपराजिता सारंगी और बलभद्र माझी की ओर से आया था। लोकसभा सचिवालय द्वारा प्रसारित प्रश्न सूची में बाद में जोड़ा गया एक शुद्धिपत्र कहता है कि प्रश्न दोनों सदस्यों द्वारा वापस

ले लिया गया था।

उनके प्रश्न में कहा गया था, क्या खनन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः (क) अरब और अंडमान सागर में नीलाम किए गए 13 अपतटीय खनन ब्लॉकों में से प्रत्येक के लिए प्राप्त बोलियों की कुल संख्या कितनी है तथा इस प्रयोजन के लिए कितने बोलीदाताओं को चुना गया है?

कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल ने कहा कि अपतटीय खनन ब्लॉकों की नीलामी पर लोकसभा में सबसे पहला तारांकित प्रश्न, जो सत्तारूढ़ पार्टी के दो सांसदों के नाम पर सूचीबद्ध था, चमत्कारिक रूप से गायब हो गया।

उन्होंने कहा, हमने लगातार इस मुद्दे को उठाया है - पर्यावरणीय खतरे, सामाजिक-आर्थिक प्रभाव आकलन का अभाव, और अपारदर्शी नीलामी प्रक्रिया। मैंने पिछले सत्र में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से इसे उठाया था, और कई सांसदों ने इसे कई अवसरों पर उठाया है और हम इस सत्र में भी प्रश्न प्रस्तुत कर रहे हैं।

वेणुगोपाल ने दावा किया, आज हम उम्मीद कर रहे थे कि सरकार कुछ स्पष्टता और जवाबदेही पेश करेगी। लेकिन हैरानी की बात है कि प्रश्नों की सूची सार्वजनिक रूप से अपलोड करने के बाद, बिना किसी स्पष्टीकरण के अंतिम समय में रहस्यमय तरीके से प्रश्न को वापस ले लिया गया।

ट्रैक्टर-ट्रॉली और ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत

मथुरा। मथुरा जिले के यमुना पार क्षेत्र में बरेली-मथुरा राजमार्ग पर बृहस्पतिवार तड़के टायर ह्यपंक्चरह्ण होने के कारण अनियंत्रित हुए एक ट्रक के सामने से आ रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई तथा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर क्षेत्र) राजीव कुमार ने बताया कि सिहोरा गांव के पास ट्रक का अगला टायर ह्यपंक्चरह्ण हो गया जिससे वह अनियंत्रित होकर दूसरी तरफ से आ रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराया। टक्कर लगने से ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गयी और उसमें आग लग गई।

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

-ललित गर्ग

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरूआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र।

विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही

में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरूआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, ह्लसंसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है ह्वचुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारूरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है। दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए। संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपूर्ण ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है। लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी। विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच ह्लोक का मंदिरह्व है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए।

भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका को बार बार टैरिफ बढ़ाने की धमकी का करारा जवाब दिया है। मोदी ने दिल्ली में आयोजित एक सम्मेलन में हिस्सा लेते हुए कहा कि किसानों का हित भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। पीएम मोदी ने सम्मेलन में कहा, "मुझे किसानों के हितों की रक्षा के लिए कीमत चुकानी पड़ेगी तो मैं इसके लिए तैयार हूं।" बताते चलें कि अमेरिका, व्यापार वार्ता की शुरूआत से ही भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्र में प्रवेश करने की मांग कर रहा है। लेकिन भारत ने अमेरिका को पहले ही स्पष्ट शब्दों में कहा दिया था कि वो कृषि और डेयरी सेक्टर के लिए कोई समझौता नहीं करेंगे।

ज्ञात हो कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ के अलावा अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाने का एलान किया है। इसका मतलब ये हुआ कि अब भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगने जा रहा है। ट्रंप ने बुधवार को इस संबंध में कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए।25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की वजह ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने को बताया है। लेकिन इसमें एक ट्विस्ट भी है। 7 अगस्त से भारत पर केवल 25 फीसदी टैरिफ ही लगेगा। अतिरिक्त शुल्क इसके 21 दिन बाद से लगना शुरू होगा।

दरअसल 30 जुलाई 2025 को ट्रंप ने भारत से आयात होने वाले सामानों पर 25% टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इसके बाद 6 अगस्त को उन्होंने एक और बड़ा फैसला लिया और भारत पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया। ट्रंप ने इसका कारण भारत द्वारा रूस से सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से कच्चे तेल की खरीद को बताया। इस फैसले के बाद अब भारत पर कुल 50% टैरिफ लागू होगा। शुरूआती 25% टैरिफ 7 अगस्त 2025 से लागू हो रहा है, जबकि अतिरिक्त 25% टैरिफ 21 दिन बाद, यानी 27 अगस्त से लागू होगा। यह पहली बार है जब ट्रंप ने स्सेकेंडरी टैरिफ्स का इस्तेमाल किसी ऐसे देश पर किया है जो रूस से व्यापार कर रहा है।

बताया जाता है कि 50 फीसदी टैरिफ का असर सीधे तौर पर ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम पर पड़ेगा। इसके अलावा स्टील, केमिकल और फार्मा इंडस्ट्री के प्रोडक्ट्स भी अभी के मुकाबले काफी महंगे हो जाएंगे। इस टैरिफ से भारत के प्रमुख निर्यात क्षेत्र जैसे कि टेक्सटाइल्स व परिधान, रत्न व आभूषण, सीफूड (झींगे आदि), चमड़ा के जूते, रासायनिक पदार्थ और इलेक्ट्रिकल व मैकेनिकल मशीनरी बुरी तरह प्रभावित होंगे। हालांकि, कुछ क्षेत्रों को छूट दी गई है जैसे कि दवाएं, ऊर्जा उत्पाद जैसे कि कच्चा तेल, गैस, कोयला, बिजली के अलावा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण में शामिल कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टीवी आदि।

जानकार मानते हैं कि लंबे समय के बाद अमेरिका में महंगाई बढ़ेगी, जिससे अमेरिकी में रह रहे लोगों का जेब खर्च भी बढ़ेगा। भारत से अमेरिका को सर्वाधिक निर्यात करने वाले शीर्ष तीन उद्योग इलेक्ट्रॉनिक्स, रत्न एवं आभूषण तथा फार्मास्यूटिकल्स हैं, जिन पर अब सबसे ज्यादा असर पड़ेगा।

मौजूदा समय में अमेरिका भारत का सबसे पहला निर्यात गंतव्य स्थल है। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारत ने अमेरिका को 25.52 बिलियन डॉलर का निर्यात किया है, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 20.89 बिलियन डॉलर था। जबकि अमेरिका से 12.86 अरब डॉलर का आयात हुआ है जो बीते वित्तीय वर्ष की समान तिमाही में 11.52 बिलियन डॉलर का रहा था।

उधर, भारत, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपास उत्पादक है, जो दुनिया की कपास जरूरतों का 23 फीसदी से ज्यादा पूरा करता है। यही कारण है कि देश का कपड़ा उद्योग मजबूती से फल-फूल रहा है। भारत में सूती धागे जैसे अत्यधिक मांग वाले उत्पाद बनते हैं। धागों के अलावा कई किस्म के कपड़े और गार्मेन्ट्स की भारी मांग है। अमेरिका को निर्यात होने वाले भारतीय सामानों में इसका सातवां स्थान है जिसका कुल मूल्य करीब 2.64 अमेरिकी अरब डॉलर है।

विभिन्न बासमती किस्म के चावल, मुख्य रूप से रॉयल शेफ सीक्रेट, दावत सुपर और पारंपरिक बासमती, संयुक्त राज्य अमेरिका को भेजे जाते हैं। बासमती चावल, भैंस के मांस के बाद सर्वाधिक कृषि निर्यात किए जाने वाला कृषि उत्पाद समुद्री खाद्य है। भारत से अमेरिका हर साल 3,00,000 से 3, 50, 000 टन बासमती चावल खरीदता है। इस क्रम में अन्य वस्तुएं जैसे तिलहन, अरंडी का तेल और प्रसंस्कृत फल, मसाले और काजू का निर्यात भी प्रभावित हो सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप इस निर्णय के जरिए भारत पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने का दबाव बना रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत औद्योगिक वस्तुओं, ई-वाहन, कृषि उत्पाद, डेयरी, जीएम फसलों के साथ-साथ शराब जैसे क्षेत्रों में आयात शुल्क कम करे। दाम बढ़ने से इनकी मांग में कमी आएगी और फिर अमेरिकी इंपोर्टर भारतीय सामानों पर इंपोर्ट करना कम कर देंगे या भारतीय एक्सपोर्टर्स पर कम कीमत में सामान देने का दबाव बनाएंगे। इससे इंडस्ट्री को भी नुकसान पहुंचेगा और भारतीय बिजनेसमैन प्रभावित होंगे। हालांकि ट्रंप का टैरिफ कुछ आवश्यक वस्तुओं पर नहीं लागू होगा। ट्रंप ने ये भी कहा है कि अगर भारत ने जवाब देने की कोशिश की, तो उस पर टैरिफ और बढ़ा दिया जाएगा। अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ अमेरिका की तरफ से लगाया गया वह फाइन है, जिसकी घोषणा ट्रंप ने कुछ समय पहले की थी।इन टैरिफ्स के लागू होने के बाद भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव बढ़ना तय है। भारतीय कंपनियों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ सकता है और इसका असर व्यापारियों तक भी पहुंच सकता है। आने वाले दिनों में यह देखना होगा कि भारत इस मुद्दे को किस तरह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता है और अमेरिका के साथ डिप्लोमैटिक स्तर पर बातचीत किस दिशा में जाती है।

अगर भारत और अमेरिका जल्द समझौता नहीं करते तो भारतीय निर्यातक भारी नुकसान का सामना कर सकते हैं। यह टैरिफ नीति अमेरिका-भारत व्यापार संबंधों में नए तनाव की शुरूआत बन सकती है। भारत के लिए यह राजनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर बड़ी चुनौती भी साबित हो सकती है।भारत ने इस कदम को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और एकतरफा दंडात्मक बताया है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, ?हम पहले भी स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत की ऊर्जा खरीद नीतियां बाजार की स्थितियों और देश के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा आवश्यकताओं पर आधारित हैं। यह चिंताजनक है कि अमेरिका ने केवल भारत को निशाना बनाया, जबकि अन्य देश जो राष्ट्रीय हित में रूस से खरीदारी कर रहे हैं उन्हें बख्श दिया गया है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

भारतीय निर्यात महासंघ के डीजी अजय सहाय ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा कि अमेरिका का यह कदम बेहद चौंकाने वाला है। इससे अमेरिका को भारत के कुल निर्यात का 55% हिस्सा प्रभावित होगा। वहीं, HDFC बैंक की अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता का कहना है कि अगर कोई समाधान नहीं निकलता तो हमें वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी अनुमान को 6% से नीचे लाना होगा। हाल फिलहाल अमेरिका से भारत में करीब 1.11 अरब डॉलर (करीब 9737 करोड़ रुपये) के फल और मेवे आते हैं। इसमें कैलिफोर्निया के बादाम नंबर वन पर हैं। इनके बाद अखरोट, पिस्ता और सेब भारत में खूब मंगाए जाते हैं। इसमें Crest Container Lines, Summit Almonds,Hilltop Ranch कंपनी के बादाम भारत में आते हैं। भारत ने 447.08 मिलियन डॉलर (करीब 3,920 करोड़ रुपये) के पेय पदार्थ और शराब अमेरिका से आयात किए। प्रीमियम व्हिस्की और क्राफ्ट स्पिरिट्स मेट्रो शहरों के बार और होटलों में बिकते हैं। अमेरिकी ब्रांड्स जैसे Jim BeÔm और Maker's Mark शामिल हैं।लगभग 22.54 मिलियन डॉलर (करीब 197.32 करोड़ रुपये) के पैकेज्ड फूड जैसे कैन्ड फ्रूट्स, सॉस और रेडी-टू-ईट प्रोडक्ट्स भारतीय बाजार में खासकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं।अमेरिका से भारत में 83।97 मिलियन डॉलर की सब्जियां आती हैं, जिनमें खासतौर पर प्रोसेस्ड पोटैटो और वे सब्जियां शामिल हैं जो यहां आसानी से नहीं मिलतीं। अमेरिकी चॉकलेट्स और कन्फेक्शनरी का भी क्रेज कम नहीं है। 20.55 मिलियन डॉलर के इम्पोर्ट्स से साफ है कि इंडियन फेस्टिव सीजन इनके बिना अधूरा है।शायद आपको हैरानी हो, लेकिन भारत में करीब 2.53 मिलियन डॉलर के सीरियल्स और 751.48 हजार डॉलर के सीरियल-बेस्ड ब्रेकफास्ट प्रोडक्ट्स आते हैं। कॉर्नफ्लेक्स से लेकर ओट्स तक सब अमेरिकी ब्रांड्स से भरे पड़े हैं।

क्यों ऐसी हरकतें कर रहा अमेरिका के बारे में बताया जा रहा है कि अमेरिका इस कार्रवाई से भारत पर दबाव बनाना चाहता है ताकि भारत प्रस्तावित व्यापार समझौते में अमेरिकी मांगें माने, जिसमें कृषि, डेयरी और जीएम फूड्स पर रियायतें शामिल हैं। भारत इन मांगों को छोटे किसानों के हितों को देखते हुए स्वीकार नहीं करना चाहता। अब तक दोनों देशों के बीच 5 दौर की बातचीत हो चुकी है। अगली मीटिंग 25 से 29 अगस्त के बीच भारत में होगी। पूर्व डिप्लोमैट अनिल त्रिगुणायत के अनुसार ट्रंप जिस तरह की बातें कर रहे हैं उससे लग रहा की निजी दुश्मनी निकाल रहे हों। न कोई ठोस नीति, न कोई समझदारी। बातचीत की कोशिशि भी नहीं। अमेरिका का रूस के साथ ट्रेड बेहद कम है, इसलिए वह उन देशों को निशाना बना रहे हैं जो मास्को से व्यापार कर रहे हैं, जैसे भारत। त्रिगुणायत ने खुलासा किया कि भारत और अमेरिका के बीच एक ट्रेड फॉर्मूला 6 जुलाई तक लगभग तय हो चुका था, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने उसे ठुकरा दिया और अमेरिकी वार्ताकारों को दोबारा सेशुरूआत करने को कह दिया। उन्होंने सवाल उठाया, अगर आप बातचीत को फिर से शुरू कर रहे हैं, तो एकतरफा प्रतिबंध दोबारा क्यों लगाए जा रहे हैं? गौरतलब है कि ट्रंप एक ओर भारत को धमकाने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी ओर ब्राजील उनके खिलाफ वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन पहुंच गया है। ट्रंप ने ब्राजील को भी इसी तरह से धमकाया था और अंजाम भुगतने की चेतावनी दी थी। ब्राजील की लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा सरकार से जुड़े सूत्रों ने AFP को बताया है की डब्ल्यूटीओ से शिकायत की गई है।

रक्षाबंधन से राष्ट्रबन्धन तक : प्रेम, सुरक्षा और संकल्प

-सुरेश गांधी

रक्षाबंधन अब सिर्फ भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह त्योहार राष्ट्रप्रेम का संदेश भी बनता जा रहा है। देशभक्ति से ओतप्रोत राखियां इस बात का प्रतीक हैं कि हर बहन को अपने भाई से सिर्फ अपनी रक्षा की नहीं, बल्कि राष्ट्र रक्षा और सेवा की भी उम्मीद है। इस साल की राखियां हमें यह याद दिला रही हैं कि जब बहन का प्रेम और देश के प्रति सम्मान एक साथ जुड़ जाए, तो एक साधारण धागा भी राष्ट्र निर्माण का संकल्प बन सकता है। अब जब राखी के त्यौहार में केवल दो ही दिन रह गए हैं, ऐसे में दिल्ली सहित देश भर के बाजारों में राखी के त्यौहार की खरीदी को लेकर भारी भीड़ दिखाई दे रही है, जिससे चारों तरफ उत्साह और ऊर्जा का माहौल है. कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के एक अनुमान के मुताबिक इस वर्ष देश भर में राखी त्यौहार पर लगभग 17 हजार करोड़ रुपए के व्यापार की उम्मीद है. जबकि मिठाई, फल एवं गिफ्ट आदि के रूप में लगभग 4 हजार करोड़ रुपए का भी व्यापार होने की संभावना है. चीन की बनी हुई कोई भी रखी अथवा त्यौहारों का सामान बाजार से पूरी तरह नदारद है. खास यह है कि हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हमारी सेनाओं ने अपनी अनूठी वीरता एवं शौर्य का प्रदर्शन किया है और राखी वाले दिन 9 अगस्त को ही भारत छोड़ो आंदोलन की तिथि भी है. इसलिए इस बार राखी त्यौहार पर भावनाओं की डोर और देशभक्ति की थालियों से बाजार सजे हुए हैं और उपभोक्ताओं के लिए खरीदी के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं. दुकानदारों का कहना है कि इस बार रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का उत्सव नहीं रहेगा, बल्कि यह राष्ट्रप्रेम और आत्मनिर्भर भारत की भावना से भी ओत-प्रोत होगा.

मतलब साफ है आज की बहन केवल अपने भाई की व्यक्तिगत सुरक्षा की आकांक्षा नहीं करती, वह यह भी चाहती है कि उसका भाई देश और समाज की रक्षा में भी योगदान दे। यही कारण है कि सेना राखी, तिरंगा राखी, शहीद समर्पित राखी जैसी भावनात्मक राखियां भाई-बहन के रिश्ते को एक व्यापक अर्थ प्रदान कर रही हैं। यह बदलाव न केवल हमारे सांस्कृतिक विकास का संकेत है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि देशप्रेम अब केवल भाषणों और नारों तक सीमित नहीं, बल्कि त्योहारों की आत्मा में भी समाहित हो रहा है। इस पहलू का एक और प्रेरणास्पद पक्ष यह है कि अनेक महिलाएं और छात्राएं एक राखी सीमा के नाम अभियान के तहत देश की सरहदों पर तैनात जवानों को राखियां भेज रही हैं। यह भावना उस अदृश्य लेकिन अटूट बंधन की परिचायक है, जो हर नागरिक को अपने सैनिकों से जोड़ता है। यह पर्व अब भाई की कलाई तक सीमित नहीं, बल्कि सीमा पर खड़े हर उस वीर के नाम है, जो देश की रक्षा में रात-दिन एक किए हुए है। सरकार और समाज द्वारा ह्लवोकल फॉर लोकलह्व का आह्वान भी इस दिशा में एक सकारात्मक ऊर्जा बनकर उभरा है। अब राखियां चीन से नहीं, देश के स्वयं सहायता समूहों, महिला कारीगरों और ग्राम उद्योगों से बनकर आ रही हैं। खासकर राष्ट्रभक्ति राखियों के निर्माण में स्वदेशी सामग्री और देशी डिजाइन को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता को बल मिला है, बल्कि सांस्कृतिक गौरव भी जागृत हुआ है। रक्षाबंधन का यह स्वरूप प्रेरणादायक है। यह केवल पर्व नहीं, एक दृष्टिकोण है, जिसमें रक्षा का भाव केवल व्यक्तिगत न होकर राष्ट्रीय स्तर पर विस्तारित हो रहा है।

यह पर्व बहनों को यह अवसर दे रहा है कि वे अपने भाइयों को न केवल प्रेम, बल्कि कर्तव्य, सेवा और राष्ट्रनिष्ठा का भाव भी अर्पित करें। जरुरत है इस पहल को और अधिक व्यापक बनाया जाए। स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि वे ऐसे कार्यक्रमों को बढ़ावा दें, जो रक्षाबंधन को देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ें। राखी केवल एक धागा नहीं, वह चेतना है जो एक पीढ़ी को राष्ट्रनिर्माण की ओर प्रेरित कर सकती है। आज जब भारत एक नए युग की ओर अग्रसर है, तब ऐसे पर्वों का राष्ट्रमूल्य और भी अधिक हो जाता है। रक्षाबंधन अब केवल एक पारंपरिक परंपरा नहीं, भारत की आत्मा से जुड़े भावों की अभिव्यक्ति बन चुका है, जहाँ एक डोरी, एक श्रद्धा, एक बहन का स्नेह, पूरे राष्ट्र को एकता की माला में पिरो सकता है। या यूं कहे रक्षाबंधन अब बना राष्ट्रबंधन में परिवर्तित हो गया है। यह डोरी अब बंधा राष्ट्रप्रेम में बंध चुकी है। मतलब साफ है रक्षाबंधन अब देशभक्ति का उत्सव बन गया है. अब सिर्फ भाई नहीं, भारत की रक्षा का भी संकल्प है। रक्षाबंधन के इस डोरी में देशभक्ति का धागा लिपटा है, जो एक राखी, एक राष्ट्र, एक संकल्प को साकार कर रहा है। भाई-बहन का यह रिश्ता अब देशभक्ति की डोर से जुड़ गया है, जो रक्षा सूत्र से राष्ट्र सेवा का संदेश दे रहा है।

हालांकि बाजार में ट्रेडिशनल और ट्रेंडी राखियों की भी बहार है। इस बार खादी ग्रामोद्योग ने खादी की राखी मार्केट में उतारी है, जिसका नाम रक्षासूत रखा गया है. इसके अलावा इस बार बाजार में राखियों की नई वैरायटी और डिजाइन ने खासा ध्यान खींचा है। परंपरागत राखियों के साथ-साथ फैंसी, इको-फ्रेंडली और कस्टमाइज्ड राखियों का ट्रेंड भी जोरों

पर है। शहर के हर छोटे-बड़े बाजार, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स और मेले सज चुके हैं। इस रक्षाबंधन पर बाजार में एक खास प्रकार की राखी लोगों का ध्यान खींच रही है, ह्लराष्ट्रप्रेम राखीह्व, जो देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत है। तिरंगे के रंगों से सजी, भारतीय सेना, स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों की स्मृति को समर्पित ये राखियां न सिर्फ भाई-बहन के रिश्ते को जोड़ रही हैं, बल्कि उनमें देश के लिए कुछ कर गुजरने की प्रेरणा भी भर रही हैं। इस बार बाजार में एलईडी राखी, कार्टून कैरेक्टर राखी, फोटो राखी, रेजिन राखी, डॉल राखी, और एरोमा राखी जैसी आधुनिक डिजाइन वाली राखियों ने बच्चों और युवतियों का ध्यान खूब आकर्षित किया है। बच्चों के लिए स्पाइडरमैन, डोरेमोन, शिवा, बाहुबली और गणेशजी की 3क राखियों की मांग सबसे अधिक है। युवतियों में नेम राखी और जेमस्टोन राखी का क्रेज भी बढ़ा है, जिसमें भाई का नाम या राशि के अनुसार रत्न लगे होते हैं। वहीं, कुछ स्टॉल्स पर इको-फ्रेंडली बीज राखी, जो राखी बांधने के बाद मिट्टी में बोई जा सकती है और पौधा बन जाती है, वह भी पर्यावरण प्रेमियों को खूब भा रही है। हालांकि आधुनिकता के इस दौर में भी ट्रेडिशनल राखियों की मांग कम नहीं हुई है। कुंदन, रेशम, जरी, जरी-बुट्टा, मोली और चंदन की राखियां, अब भी बड़े भाई-बहनों और बुजुर्गों के बीच लोकप्रिय हैं।

खासकर बनारसी, जयपुरी और राजस्थानी राखियों की पारंपरिक कारीगरी देखने वालों को आकर्षित कर रही है। इस बार राखियों की कीमतों में थोड़ा इजाफा जरूर हुआ है, लेकिन वैरायटी इतनी ज्यादा है कि हर जेब के लिए विकल्प मौजूद हैं। सामान्य राखियां 10रु. से 50रु. के बीच बिक रही हैं। डिजाइनर राखियां ?80 से ?300 तक मिल रही हैं। कस्टमाइज्ड और ब्रांडेड राखियों की कीमत ?500 से लेकर ?1200 तक जा रही है। इको-फ्रेंडली राखियों की कीमत ?50 से ?150 तक है। रक्षाबंधन एक बार फिर भारतीय बाजारों में उत्सव, प्रेम और भाई-बहन के रिश्ते की मिठास बिखेरने आ गया है। नई-पुरानी राखियों के संग आधुनिकता और परंपरा का संगम देखने को मिल रहा है। बाजार में बढ़ती रौनक और बहनों की चमकती मुस्कान बता रही है कि यह त्योहार सिर्फ एक धागा नहीं, एक भावना है जो रिश्तों को और मजबूत बनाती है।

तिरंगा राखियों की बढ़ती मांग

इस बार बाजार में तिरंगे के तीन रंगों, केसरिया, सफेद और हरे रंग से सजी राखियों की एक पूरी रेंज आई है। इनमें कुछ राखियों में जय हिन्द, वंदे मातरम, भारत माता की जय, जैसे संदेश अंकित हैं, तो कुछ में भारत का नक्शा, अशोक चक्र या भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना के प्रतीक चिह्न भी जोड़े गए हैं। कुछ राखियों में राष्ट्रीय ध्वज का ब्रोच लगाया गया है जिसे भाई अपनी शर्ट या कोट पर भी पहन सकता है। कई स्वयंसेवी संस्थाएं और महिला समूह इस साल शहीदों को समर्पित राखियां बना रही हैं। ये राखियां उन वीर सैनिकों के नाम पर समर्पित हैं जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए प्राण न्यौछावर किए। कुछ राखियों पर ह्यगर्व है शहीद भाई पर, सीमा का रखवाला मेरा भाई, या एक राखी वीर जवान के नाम जैसे भावनात्मक संदेश लिखे हैं। इसके साथ-साथ कई बहनें सीमा पर तैनात सैनिकों को राखी भेजने के अभियान में भी शामिल हो रही हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, पंजाब व महाराष्ट्र के कई स्कूलों और कॉलेजों ने भी एक राखी सीमा के नामह्व अभियान चलाया है। प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल और मेक इन इंडिया अभियानों से प्रेरित होकर कई स्वयं सहायता समूह और कारीगर महिलाओं ने स्वदेशी कपड़ों, मिट्टी, बांस और जूट से बनी देशभक्ति राखियां बाजार में उतारी हैं। इन राखियों में गांधी टोपी, चरखा, भारत का नक्शा और भगवा ध्वज जैसी प्रतीकात्मक चीजें सजाई गई हैं। इस तरह की राखियां खासकर उन बहनों को लुभा रही हैं जिनके भाई सेना, पुलिस या अर्धसैनिक बलों में कार्यरत हैं। कई युवतियां अपने भाइयों को देशसेवा के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से इस प्रकार की राखियों का चयन कर रही हैं। विमला देवी कहता है कि इस बार मैंने भाई के लिए तिरंगे रंगों वाली राखी खरीदी है जिसमें लिखा है मेरा वीर जवान। यह सिर्फ एक राखी नहीं, मेरी भावनाओं और गर्व का प्रतीक है।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी देशभक्ति राखियों की धूम

फर्न्स एंड पेटल्स, आईजीपी, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे ऑनलाइन पोर्टलों पर भी पैट्रियाटिक राखी, तिरंगा राखी, इंडियन आर्मी राखी जैसे टैग के साथ स्पेशल कलेक्शन उपलब्ध है। इनमें फोटो कस्टमाइजेशन, तिरंगा बॉक्स गिफ्ट सेट और देशभक्ति संदेश कार्ड भी शामिल हैं। विशेष रूप से फौजियों को समर्पित राखियों द्वारा एक भावनात्मक संदेश भी सभी शहरों में फौजियों को राखी बांधकर फैलाया जा रहा है. राखी के त्यौहार पर इनोवेशन वाली राखियों की धूम है, जिसमें अन्य राखियों के अलावा वोकल फॉर लोकल से ह्यडिजिटल राखी तक तथा ऑपरेशन सिंदूर से लेकर मोदी रखी, आत्मनिर्भर भारत राखी, जयहिंद राखी, भारत माता की जय, विकसित भारत, वंदेमातरम राखी जैसी अनेक प्रकार की आकर्षक राखियों की बाजार में बड़ी मांग है. दूसरी तरफ इस साल बाजारों में पारंपरिक राखियों के साथ नवाचार से भरी थीम बेस्ड राखियां धूम मचा रही हैं जिनमें इको-फ्रेंडली राखियांः मिट्टी, बीज, खादी, बांस व कपास से बनी राखी, कस्टमाइज राखियांः भाई-बहन की फोटो और नाम के साथ राखियों की धूम है. देश के विभिन्न क्षेत्रों की कला और संस्कृति को समेटे हुए, वसुधैव कुटुंबकमह्व थीम पर आधारित राखियों में हैं कोसा राखी (छत्तीसगढ़), जूट राखी (कोलकाता), रेशम राखी (मुंबई) खादी राखी (नागपुर), सांगानेरी राखी (जयपुर), बीज राखी (पुणे) बांस राखी (झारखंड), चाय पत्ती राखी (असम), मधुबनी राखी (बिहार) आदि प्रमुख रूप से बिक रही हैं.

मेक इन इंडिया को मिल रहा बढ़ावा

बाजार में बिक रही कई राखियां स्थानीय महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों और कारीगरों द्वारा बनाई गई हैं, जिससे महिला सशक्तिकरण और स्थानीय उद्योग को भी प्रोत्साहन मिल रहा है. भारत में अब उपभोक्ता त्योहारों को गर्व और आत्मसम्मान के साथ मना रहे हैं, और मेक इन इंडिया को हर घर तक पहुंचा रहे हैं. इस वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाने वाला रक्षाबंधन न केवल पारंपरिक पर्व है, बल्कि यह व्यापारिक अवसर, राष्ट्रीय गौरव और सांस्कृतिक धरोहरह्व को भी जोड़ने जा रहा है. व्यापारी समुदाय इसे एक सोशल-कमर्शियल मूवमेंट के रूप में देख रहा है और पूरे जोश और जुनून के साथ तैयारियों में जुटा हुआ है. इस बार वोकल फॉर लोकल अभियान के चलते हस्तनिर्मित राखियों की मांग भी बढ़ी है। विशेषकर महिला स्वयं सहायता समूह, एनजीओ और कारीगर समूहों द्वारा बनाई गई राखियां लोगों का ध्यान खींच रही हैं। बनारस के रामनगर और सारनाथ के कई कारीगरों ने लोकल बाजार और ऑनलाइन स्टोर पर अपनी राखियों की रेंज उतारी है।

महिलाओं और युवतियों में दिखा उत्साह

रक्षाबंधन की खरीदारी को लेकर महिलाएं खासा उत्साहित हैं। कई महिलाएं राखी के साथ भाई के लिए गिफ्ट हैंपर, मिठाई के डिब्बे, चॉकलेट्स और सूखे मेवों के पैक भी ले रही हैं। युवतियां ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स से भी राखियों की खरीद कर रही हैं, जहां उन्हें घर बैठे डिलीवरी और कस्टमाइजेशन का विकल्प मिल रहा है। राधिका श्रीवास्तव, जो वाराणसी के पांडेयपुर की निवासी हैं, कहती हैं, इस बार मैंने अपने भाई के लिए नेम-पर्सनलाइज्ड राखी मंगवाई है। साथ ही राखी के साथ एक खास मेमोरी फोटो फ्रेम भी खरीद रही हूं। हर साल कुछ नया देना अच्छा लगता है। अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीन्त्रा, आईजीपी और फर्न्स एंड पेटल्स जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर राखियों की बिक्री में बीते वर्ष की तुलना में 25-30 फीसदी की वृद्धि देखी जा रही है। वहीं कई प्रवासी भारतीय बहनें विदेश में रह रहे भाइयों को राखी भेजने के लिए ऑनलाइन सेवाओं का सहारा ले रही हैं।

डोरेमॉन व रुद्राक्ष राखियों की धूम

जहां तक बाजार में बिक रही राखियों के कीमत की बात है तो महज 10 रुपए से शुरू होकर 500 रुपये तक की राखियां मिल रही है. खासतौर पर लाइट राखी, डोरेमॉन राखी, रुद्राक्ष राखी, रेशम राखी और भैया भाभी राखी, वीरा राखी के साथ ही चमकीली लाइट वाली सहित अन्य राखियां मार्केट में इस बार आई हैं. दुकानदारो का कहना है कि इस बार सबसे खास तौर पर स्पेशल राखी बाजार में आई है. जिसमें लाइट राखी से लेकर डोरेमॉन और स्पेशल राखियां हैं. जिसकी कीमत 50 रुपए से लेकर 80 रुपए तक है. यहां पर कई अच्छी-अच्छी विभिन्न वैरायटी की राखी दी जा रही हैं. बच्चों के लिए सबसे खास तौर पर कार्टून राखी दी जा रही है. यहां 50 रुपए से लेकर 80 रुपए तक की स्पेशल राखी उपलब्ध है. उनके पास सबसे खास तौर पर रुद्राक्ष राखी है. जिसमें तरह-तरह की वेराइटियां हैं. रुद्राक्ष राखी की कीमत 40 रुपए से शुरू है. वहीं सबसे स्पेशल में स्टोन राखी है. जिसकी कीमत 500 रुपए तक की है. इन राखियों में और भी राखियां है जो कि स्टोन वाली राखी 300 रुपए 500 रुपए तक है.

हिंदुस्थानी भाऊ को जन्मदिन की शुभकामनाएँ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदुस्थानी भाऊ के जन्मदिन के शुभ अवसर पर उनके निवास स्थान पर भेंट कर उन्हें शॉल भेंट की गई और जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। इस विशेष दिन पर उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु तथा सामाजिक कार्यों में निरंतर सफलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। हिंदुस्थानी भाऊ ने इस अवसर पर सभी शुभचिंतकों और आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उपस्थित विशिष्टजनो में सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), सज्जाद अली, अरबाज खलील शेख सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विलेपार्ले कल्चरल सेंटर द्वारा शिवदुर्गों की यूनेस्को उड़ान के निमित्त कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विलेपार्ले कल्चरल सेंटर द्वारा शिवदुर्गों की यूनेस्को उड़ान के निमित्त इस विशेष और गर्वपूर्ण समारोह का आयोजन किया गया है। इस अनोखे आयोजन में सभी शिवप्रेमियों से उपस्थित रहने का आग्रह आयोजक एवं विलेपार्ले के विधायक एडवोकेट पराग अळवणी ने किया है। यह कार्यक्रम सोमवार, 11 अगस्त 2025 को सायं 6:15 बजे, मास्टर दीनानाथ मंगेशकर नाट्यगृह, विलेपार्ले (पूर्व) में संपन्न होगा।

हाल ही में यूनेस्को द्वारा भारत के महाराष्ट्र राज्य के 11 और तमिलनाडु के 1 ऐसे कुल 12 शिवदुर्गों को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई है, जो कि अत्यंत गौरव की बात है। इस उपलक्ष्य में इन दुर्गों की विस्तृत जानकारी प्रदान करने हेतु यह ज्ञानवर्धक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध एवं वरिष्ठ इतिहासकार तथा दुर्ग विशेषज्ञ पराग लिमये युद्धनीति की दृष्टि से इन 12 शिवदुर्गों की ऐतिहासिक महत्ता का वर्णन करेंगे। साथ ही, छत्रपती शिवाजी महाराज के अद्वितीय पराक्रम, शौर्य एवं नीति से प्रेरित लोकप्रिय शिवस्फूर्तिदायक गीतों की प्रस्तुति काव्या खेडेकर, अथर्व कर्णिक, वैदेही परांजपे, हर्षवर्धन गोरे, प्राजक्ता रानडे, अर्चना गोरे, मंदार आपटे, ऋषिकेश रानडे व मिलिंद करमरकर जैसे ख्यातनाम गायक कलाकारों द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम सभी शिवप्रेमियों के लिए निःशुल्क रखा गया है। निःशुल्क प्रवेश पत्र रविवार, 10 अगस्त 2025 को प्रातः 8:30 बजे से, दीनानाथ नाट्यगृह परिसर से प्राप्त किए जा सकेंगे।

अब टाटा जितना भारतीय बना पेटीएम, चीन की कोई हिस्सेदारी नहीं बची

मुंबई। लगभग नौ वर्ष पहले पेटीएम के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय शेखर शर्मा ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा था, हम मारुति जितने ही भारतीय हैं। उस समय यह कथन प्रतीकात्मक माना गया था, लेकिन आज यह वास्तविकता बन गया है – पेटीएम अब आत्मा और स्वामित्व दोनों में पूर्णतः भारतीय कंपनी है। इस कथन को आगे बढ़ाते हुए, सौदे से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा, अब पेटीएम टाटा जितना ही भारतीय हो गया है। यह रूपांतरण आधिकारिक रूप से तब हुआ जब हाल ही में एंटफिन (नीदरलैंड्स) होल्डिंग बीवी ने ब्लॉक डील के माध्यम से पेटीएम में अपनी शेष 5.84% हिस्सेदारी लगभग 3,800 रुपये करोड़ में बेच दी। इसके साथ ही कंपनी में चीनी स्वामित्व शून्य हो गया है, जो स्वामित्व ढांचे में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन को दशार्ता है। वर्ष 2016 में विजय शेखर शर्मा ने भारत की प्रगति यात्रा के प्रति पेटीएम की गहरी प्रतिबद्धता को दोहराया था, जिसमें उन्होंने कंपनी के भारतीय मूल्यों और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के प्रति इसके समर्पण को रेखांकित किया। उस समय जब भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र वैश्विक निवेशकों की भारी रुचि और रणनीतिक पूंजी प्रवाह देख रहा था, शर्मा ने स्थानीय नियमों के प्रति कंपनी की निष्ठा, भारत-प्रथम नवाचार दृष्टिकोण और उपभोक्ताओं तथा व्यापारियों को सशक्त बनाने पर केंद्रित प्रयासों को बल दिया। उनका यह विश्वास भारत की नियामकीय और आर्थिक संरचना में जड़े जमाए एक विश्व-स्तरीय, स्वदेशी प्रौद्योगिकी अग्रणी संस्था निर्माण की दूरदर्शिता को दशार्ता है। अब, एंट ग्रुप के पूर्ण निष्क्रमण के साथ, पेटीएम की पूंजी संरचना घरेलू और वैश्विक संस्थागत निवेशकों की ओर स्पष्ट रूप से स्थानांतरित हो गई है। यह संरचनात्मक परिवर्तन ऐसे समय में हुआ है जब कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन दर्ज किया। नोएडा आधारित कंपनी ने 123 करोड़ रुपये का कर-पश्चात लाभ दर्ज किया, जो इसका पहला पूर्णतः लाभदायक त्रैमासिक रहा और विश्लेषकों की उम्मीदों से बेहतर साबित हुआ। कंपनी की संचालन राजस्व 1,918 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो वर्ष-दर-वर्ष 28% की वृद्धि है, जबकि योगदान लाभ 1,151 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें 52% की वार्षिक वृद्धि हुई।

सिनर्जी ने शीर्ष प्रबंधन में बदलाव करते हुए विकास त्रिवेदी को सह-सीईओ नियुक्त किया

मुंबई/पटना। सिनर्जी मरीन ग्रुप ने पटना के विकास त्रिवेदी को को-सीईओ (शिप मैनेजमेंट) नियुक्त किया है। वह अब कंपनी के टैंकर और गैस कैरियर संचालन की ज़िम्मेदारी संभालेंगे। सिनर्जी, अपने बेड़े के आकार के अनुसार, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी थर्ड-पार्टी शिप मैनेजमेंट कंपनी है। त्रिवेदी इस नेतृत्व टीम में शामिल होने वाले बिहार के दूसरे प्रतिनिधि हैं। उनसे पहले अजय चौधरी ड्राय डिवीजन का नेतृत्व कर रहे हैं और अब भी इस पद पर कायम हैं।

सिनर्जी का यह दोहरी नेतृत्व मॉडल न केवल संचालन को और सक्षम बनाता है, बल्कि कंपनी के लोगों पर केंद्रित विकास, तकनीकी नवाचार, और भरोसेमंद ग्राहक संबंधों की दिशा में मजबूत कदम है।

सिनर्जी मरीन को डेनमार्क-भारत के साझा नेतृत्व से मिल रही मजबूती

कंपनी के दोनों सह-मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अजय चौधरी और विकास त्रिवेदी, पटना साइंस कॉलेज के छात्र रह चुके हैं। उन्होंने बाद में कोलकाता के प्रतिष्ठित DMET संस्थान से मरीन इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री हासिल की। विकास त्रिवेदी, जो DMET कोलकाता के 1984-1988 बैच के छात्र रहे हैं, दुनिया की अग्रणी शिप मैनेजमेंट कंपनियों में से एक में करीब 25 वर्षों का वरिष्ठ नेतृत्व अनुभव लेकर आए हैं।

होटलों पर पड़े छापे में दो किशोर मजदूरों को कराया गया मुक्त, होटल मालिकों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मुंबई प्रथम एज्युकेशन संस्था ,नारीमन पॉइंट,मुंबई द्वारा दी गयी शिकायत के उपरांत दि. 5 अगस्त 2025 को पालघर के कामगार उप आयुक्त विजय चौधरी के दिशा निर्देश पर सरकारी कामगार अधिकारी गोपाल पाटिल व उनके सहयोगियों ने बालश्रम विरोधी मुहिम के तहत पेल्हार पुलिस थाना क्षेत्र में दो होटलों पर छापेमारी की,जिसमें दो नाबालिग कामगारो को वहां गैरकानूनी रूप से मजदूरी करते हुए पाया गया।कामगार उप आयुक्त, पालघर द्वारा प्राप्त आदेशानुसार पेल्हार पुलिस स्टेशन की सीमा में यह छापामारी की गई। इस अभियान में सरकारी कामगार अधिकारी गोपाल वामन पाटील, पुलिस उप निरीक्षक अज्ञातराव सलगर, श्री.मोहने, सहायक पुलिस निरीक्षक,महिला पुलिस कर्मचारी निकिता सूर्यवंशी,प्रथम एज्युकेशन संस्था,मुंबई चाइल्ड लाईन की रीता फर्नांडीज,अमित मनोहर बोरबिलकर,पालघर के बृजेश बाँकेलाल गुप्ता विस्तार अधिकारी (शिक्षा)जिला परिषद,पालघर और प्रियंका चौधरी, राजेश भालिंगे,चाइल्ड लाइन, जिला

महिला और बाल विकास, पालघर, दुकान निरीक्षक अभिमन देबरे, महिला व बाल विकास अधिकारी तथा अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

इस संयुक्त कार्रवाई में मे.गाजी दरबार होटल एंड केटरिंग सर्व्हिसेसस्, जो सोमवारी को मार्केट, गांवदेवी रोड,धानीव बाग तालाब, नालासोपारा (पूर्व) में स्थित है, वहां 15 वर्षीय नाबालिग लड़का सादिक अली जमाल अली को वेटर के रूप में काम करते पाया गया। वह बीते एक महीने से प्रतिमाह ?4000 वेतन पर सुबह 9 से दोपहर 3 बजे और फिर शाम 5 से रात 1 बजे तक काम कर रहा था।दूसरे छापे में उसी इलाके के श्शाही गाजी केटरिंगश्र होटल से एक और 15 वर्षीय किशोर इबरार मरदान खान को काम करते पाया गया। वह पिछले 15 दिनों से प्रतिदिन ?400 वेतन पर दोपहर 12 से 3 बजे और फिर शाम 8 से रात 1 बजे तक काम कर रहा था।दोनों होटलों के मालिक इस्लाम अली गुलाम मोहम्मद (उम्र 30 वर्ष) और मोहम्मद रफीक मोहम्मद नानू पठान (उम्र 32 वर्ष) पर आरोप है कि वे जानबूझकर नाबालिग बच्चों से देर रात तक कम मजदूरी में वेटर जैसे श्रम कार्य करवा रहे थे जिससे बच्चों का आर्थिक, मानसिक और शारीरिक शोषण हो रहा था। दोनों होटल मालिकों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 146 तथा किशोर न्याय (बालकों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 75 और 79 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

देवनार पोलीस स्टेशन में शिष्टाचार भेंट, सामाजिक मुद्दों पर हुई सकारात्मक चर्चा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पोलीस निरीक्षक बासित अली सय्यद से देवनार पोलीस स्टेशन में एक शिष्टाचार मुलाकात की गई। इस अवसर पर समाज से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा हुई। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान वरिष्ठ निरीक्षक को शॉल भेंट कर उनका सम्मान किया गया तथा पोलीस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

इस मुलाकात में सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), सज्जाद अली (मुंबई कार्याध्यक्ष, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी झ अजित पवार गुट) के नेतृत्व में निम्न प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिसमें सचिन जाधव महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष, खालिल भाई मुंबई प्रदेश अध्यक्ष शामिल रहे। इस प्रकार की संवादात्मक भेंट समाज और पोलीस प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास मानी जा रही है, जो सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरणास्रोत बन सकती है।

ग्राम विकास को गति देने हेतु सरपंच संवाद मोबाइल ऐप का केंद्रीय जलशक्ति मंत्री के हाथों शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। ग्रामीण विकास को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से सरपंच संवाद नामक एक विशेष मोबाइल ऐप की शुरूआत की गई है। यह ऐप ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न ग्राम पंचायतों द्वारा किए गए नवाचारों और सफल कार्यों की जानकारी एक-दूसरे तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। यह ऐप स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) तथा जल जीवन मिशन जैसे दो महत्वपूर्ण अभियानों को मजबूती प्रदान करेगा।

इस ऐप का उद्घाटन जलशक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ और सुजल ग्राम के लिए नेतृत्व नामक विशेष कार्यक्रम में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटील के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह डिजिटल मंच ग्रामीण विकास की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

सरपंच संवाद ऐप की प्रमुख विशेषता यह है कि सरपंच अपने गाँव के सफल कार्यों की जानकारी देशभर के अन्य सरपंचों तक पहुँचा सकते हैं। अन्य गांवों के प्रेरणादायक उदाहरण देख सकते हैं और उनसे सीख ले सकते हैं। ऐप पर विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण उपलब्ध है। महत्वपूर्ण खबरें और घोषणाएं प्राप्त की जा सकती हैं। प्रशिक्षण पूरा करने पर ऑनलाइन प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा। इस संबंध में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल पारसकर ने जानकारी देते हुए कहा, यह ऐप स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और जल जीवन मिशन दोनों के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक प्रभावशाली डिजिटल मंच सिद्ध होगा। पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने जिले के सभी सरपंचों से अपील की है कि सरपंच संवाद ऐप का नियमित और प्रभावी उपयोग करें तथा अपने गांव को स्वच्छ, सुजल और सतत विकास की दिशा में अग्रसर करें। सभी सरपंच अपने मोबाइल में यह ऐप तुरंत डाउनलोड करें और ग्राम विकास की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

होम क्रेडिट इंडिया लोन अगेंस्ट प्रापर्टी सेगमेंट में कदम रखने की तैयारी में

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रमुख कनज्यूमर फाइनैंस कंपनी, होम क्रेडिट इंडिया ने एलान किया है कि वह लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी (एलएपी) बिजनेस सेगमेंट में विस्तार करने के लिए तैयार है। इस बिजनेस की कमान संभालने के लिए कंपनी ने नीरज जैन को लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी का नया प्रमुख नियुक्त किया है। यह कदम होम क्रेडिट इंडिया के सिक्योर्ड प्रोडक्ट्स के अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में विविधता लाने और भारतीय वित्तीय सेवा बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के मिशन के लिए महत्वपूर्ण है। नीरज जैन को वित्तीय सेवा उद्योग में 22 से अधिक वर्षों का अनुभव है, जिसमें उनका विशेष ध्यान सिक्योर्ड ऋण, संचालन और ग्राहक अनुभव पर रहा

है। अपने करियर के दौरान, उन्होंने कई प्रतिष्ठित संस्थाओं और प्रमुख वित्तीय संस्थानों में महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। इस नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए होम क्रेडिट इंडिया के सीईओ विवेक सिंह ने कहा, हमारे लिए लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी बिजनेस की शुरूआत हमारी विकास रणनीति का एक स्वाभाविक कदम है, जिससे हम ग्राहकों की एक विस्तृत श्रृंखला की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। हमें खुशी है कि नीरज हमारी टीम में शामिल हुए हैं और इस नए बिजनेस वर्टिकल का नेतृत्व करेंगे। इस बिजनेस को बनाने और अपनी उपस्थिति का विस्तार करने में उनका व्यापक अनुभव और एलएपी बाजार की गहरी विशेषज्ञता हमारे लिए अमूल्य होगी।

अपने विजन को साझा करते हुए, नीरज ने कहा, मैं होम क्रेडिट इंडिया को लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी सेगमेंट में आगे ले जाने के लिए सम्मानित और उत्साहित महसूस कर रहा हूँ। वित्तीय समावेशन के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता और इसका मजबूत अखिल भारतीय नेटवर्क सफलता के लिए एक शानदार मंच प्रदान करता है।

भाजपा वसई ने निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित कीं: प्रज्ञा पाटिल

वसई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा खलतीपाड़ा,उमेलमन,वसई पश्चिम में आदिवासी क्षेत्रों के छात्रों के लिए निःशुल्क शैक्षिक सामग्री वितरण पहल शुरू की गई। भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश केरल प्रजिला परिषद स्कूलों में छात्रों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित की गईं।

सामाजिक कार्यकर्ता अशोक बोरसे ने उमेलमान जिला परिषद स्कूल के कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि भाजपा वसई-विरार जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल ने खलतीपाड़ा और चुलना रोड में कार्यक्रम में भाग लिया। इस पहल के बारे में बोलते हुए, उत्तम कुमार ने कहा, छात्रों को शिक्षा के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। यह पहल आदिवासी क्षेत्रों के छात्रों को प्रोत्साहित करेगी।

प्रज्ञा पाटिल ने कहा, श्भाजपा वसई-विरार के दूरदराज के इलाकों में छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इस तरह की पहल समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। अशोक बोरसे ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, श्आदिवासी क्षेत्रों के छात्रों के लिए इस तरह की मदद की जरूरत है और

भाजपा की यह पहल कई जरूरतमंद छात्रों को राहत पहुँचा रही है। उपस्थित अभिभावकों और छात्रों ने भाजपा की इस पहल का तहे दिल से स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी सिद्धेश तावड़े, अमोल पाटिल, एच.आर. सक्सेना, बाला सावंत, शेमल अजगिया, सीमा सेंगर, श्रीकुमारी मोहन, शिला अय्यर, तेजस परमार, तेजस सिंह, निशांत शर्मा, सुरेश प्रजापति, सुजाता शिरोडकर, सकीना नूरानी, देवेंद्र जाधव, देवेंद्र खरे, चिराग शाह, देवजी माली, जयेश घरात, रमेश पांडे, मनोज शर्मा, यूस्टेस सिकवेरा और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

भक्ती, संस्कृती और सशक्तता का संगम श्रावणोत्सव-2025 कार्यक्रम सम्पन्न

बोरीवली, मुंबई (उत्तरशक्ति)। बोरीवली के प्रबोधनकार नाट्यगृह में कार्यक्रम श्श्रावणोत्सव-2025 का भव्य आयोजन बड़े ही उत्साह, श्रद्धा और सांस्कृतिक वैभव दशार्ने के साथ संपन्न हुआ। स्त्री शक्ति के गौरव के लिए समर्पित श्मिशन सिंदूर, पत्नीत्व का सम्मान, उसके अस्तित्व का गौरवश्र पर आधारित प्रस्तुति ने वहां उपस्थित सभी दर्शकों के दिल को छू लिया। विशेष रूप से, पहलगाम पर आधारित भावनात्मक दृश्य देखकर लोगों की आंखों में आंसू आ गए।

इसी क्रम में छत्रपती संभाजी महाराज की वीरता की कहानी पर प्रस्तुत किए गए नृत्य प्रदर्शन ने इतिहास को जीवंत किया, जबकि विभिन्न राज्यों के लोक नृत्य और प्रदर्शनों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के यहां दर्शन हुए। यह आयोजन भक्ति, नृत्य, नाट्य और संस्कृति का एक अद्वितीय संगम साबित हुआ।

इस कार्यक्रम में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराई और वहां उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया।

दहिसर की विधायक मनिषा ताई चौधरी की संकल्पना और मार्गदर्शन में वृषाली बागवे द्वारा आयोजित इस उत्कृष्ट और यादगार आयोजन में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ विधायक मनिषा ताई चौधरी, मिस इंडिया-2025 अदिति परब,मुंबई प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्षा शीतल गंभीर, पूर्व नगरसेवक जितेंद्र पटेल, हरीश छेडा, जगदीश ओझा, विधानसभा संयोजक अरविंद यादव, महिला मोर्चा उत्तर मुंबई अध्यक्षा योगिता पाटील, शशिकांत कदम, पूनम पांडे तथा अमित सिंह सहित मंडल व विभिन्न वार्ड के अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

मुकेश खन्ना ने स्वतंत्रता सेनानियों को ट्रिब्यूट पेश करने के लिए पहेली गीत 2 लॉन्च किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। टेलीविजन के सबसे लोकप्रिय चरित्र और देश के पहले सुपर हीरो शक्तिमान मुकेश खन्ना ने महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों को ट्रिब्यूट पेश करने के लिए अपने एल्बम क्रांतिकारी पहेली के दूसरे गीत श्पहेली गीत 2श्र को मुंबई के स्टार हाउस में लॉन्च किया. मुकेश खन्ना ने इस गीत के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की है. एक महत्वपूर्ण मैसेज के साथ वह यह गीत लेकर आए हैं.

इस वीडियो के द्वारा वह बच्चों और युवाओं को कुछ सिखाने के उद्देश्य के साथ हाजिर हुए हैं. इस गीत मे पहेली के रूप में स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन और उनके ऐतिहासिक कार्यो की बातें हैं। मुम्बई में खुद मुकेश खन्ना ने इस वीडियो सॉन्ग को लांच किया। इस अवसर पर उनके साथ गीतकार पंकज त्रिपाठी, संगीतकार सूर्या राजकमल और कोरियोग्राफर पप्पू खन्ना सहित गाने से जुड़ी टीम भी उपस्थित रही। यह देशभक्ति गीत भीष्म इंटरनेशनल के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज कर दिया गया है जिसे दर्शकों की काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

भीष्म इंटरनेशनल प्रस्तुत इस गीत को बहुत ही खूबसूरती से फिल्माया

गया है, जिसमें बच्चों से मुकेश खन्ना पहेलियां बुझाते हैं, स्वतंत्रता सेनानियों के कारनामों के बारे में गीत के माध्यम से वह पूछते हैं कि क्रांतिकारी का नाम बताओ? फिर बच्चे उन्हें स्वतंत्रता सेनानी का नाम बताते हैं। इस गीत में चंद्रशेखर आजाद, वीर सावरकर, मंगल पांडे, अशफाक उल्लाह खान के बारे में बताया गया है जबकि इस गाने के पहले भाग में झांसी की रानी, शहीद राजगुरु, सुखदेव, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, तुर्रम खान जैसे क्रांतिकारियों के बारे में जानकारी बताई गई है।

गाने के अंत में मुकेश खन्ना ने सभी से आव्हान किया है कि सभी बच्चे, युवा देश के क्रांतिकारियों का नाम याद रखें. 7 हजार से ज्यादा क्रांतिकारी थे जिन्हें शहीद का दर्जा मिलना चाहिए. मुकेश खन्ना ने बताया कि जय हिंद अभियान के द्वारा देश के स्वतंत्रता सेनानियों को हम शहीदों का दर्जा दिलाने के लिए सरकार से लगातार सालों से मांग कर रहे हैं। इस गीत के माध्यम से श्रोता और दर्शक हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जानेंगे, हमारे इतिहास के बारे में जानेंगे, जिन वीरों ने कम उम्र मे जान कुर्बान कर दी, लोग उनके बारे में जानेंगे. ऐसे गीत जरूरी हैं। इसके बाद इसकी अगली कड़ी भी आएगी. हम इस गीत की श्रृंखला के माध्यम से उन सभी क्रांतिकारियों को याद करेंगे और बच्चों व युवाओं के दिल दिमाग में उनके नाम और काम को स्थापित करेंगे। मुकेश खन्ना का एक और देशभक्ति गीत 'सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्तान हमारा' भी 12 अगस्त को रिलीज होने जा रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सैनिकों की कलाई पर बांधा गया रक्षासूत्र, बार्डर पर तैनात वीर सैनिकों को भेजी गई राखी

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायन्स क्लब जौनपुर मेन ने सैनिकों के साथ मनाया रक्षा बंधन, देश की सीमा पर तैनात वीर जवानों को भेजी राखी लायन्स क्लब जौनपुर मेन द्वारा सैनिकों के साथ रक्षा बंधन पर्व मनाया और देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों को राखियाँ भेजकर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया है। लायन्स क्लब द्वारा 98 बटालियन एनसीसी आफिस प्रांगण मे आयोजित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सैनिकों को यह एहसास दिलाना है कि देशवासी उनके बलिदान को सम्मान के साथ याद रखते हैं।लायन्स क्लब की महिलाओं ने वीर जवानों की कलाई पर राखी बांध उनके दीर्घायु, उनकी सुरक्षा और कुशलता की कामना की। जवानों ने भी बहनों की रक्षा का संकल्प जताया। कहा कि सीमाओं के साथ ही बहनों की रक्षा के लिए वह लोग तैयार हैं। कहा कि वीर जवान बहनों की रक्षा के लिए हर चुनौती से निपटने के लिए तत्पर रहते हैं।

इस अवसर पर कर्नल आलोक सिंह धर्मराज कमांडेंट ने इस भावनात्मक पहल की सराहना की है। उन्होंने इसे देशवासियों के स्नेह और एकजुटता का प्रतीक बताया। डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने कहा कि हमारे देश के सैनिक हर दिन अपनी जान की बाजी लगाकर हमें सुरक्षित रखते हैं। त्योहारों पर जब हम अपने परिवार के साथ होते हैं, तब वे

सरहद पर तैनात रहते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन पर उन्हें राखी व शुभकामनाएं भेजना सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है। ये संदेश उन्हें यह एहसास दिलाते हैं कि पूरा देश उनके साथ है। ज्योति कपूर ने कहा की रक्षाबंधन का पर्व हमारे सैनिकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। देश के वीर सैनिक सरहद की सुरक्षा में अपने घरों से हजारों किलोमीटर दूर तैनात रहते है। जो रक्षाबंधन पर अपने घर नहीं लौट पाते है। इस पहल के माध्यम से उन्हें न केवल परिवार से जुड़ाव का अहसास होता है। बल्कि उन्हें और ज्यादा आत्मविश्वास और जिम्मेदारी का अहसास कराता है। सुबेदार मेजर कृष्ण पाल सिंह ने कहा कि सैनिकों के साथ रक्षा बंधन मनाना, देश के प्रति प्रेम और समर्पण की भावना को दशार्ता है, और यह एक महत्वपूर्ण अवसर है जब नागरिक अपने सैनिकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं। इसके पूर्व संस्थाध्यक्ष राजेश राज गुप्ता ने लोगों का स्वागत किया। इस अवसर पर सचिव योगेश साहू, कोषाध्यक्ष रंजीत सिंह, पूजा त्रिपाठी, हेमा श्रीवास्तव, रविन्द्र कालरा, प्रीति गुप्ता, रविन्द्र कौर, डॉ.प्रकाशनी अग्रहरी, आरूषी मौर्य, सुबेदार नेहाल सिंह थापा, सुबेदार बलबीर सिंह, नायब सुबेदार प्रदीप बरिहा, परमजीत सिंह, राम कुमार साहू, डॉ.सुशील अग्रहरी, वीरेंद्र मौर्य सहित अन्य सैनिक आदि उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन पर आत्मीय रिश्ते की मिसाल

बहन ने भाई की कलाई पर बाँधा स्नेह का रक्षासूत्र, गवाह बना जौनपुर

विशेष संवाददाता वी.अहमद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जिले में रक्षाबंधन के पावन अवसर पर एक ऐसा दृश्य सामने आया जिसने यह सिद्ध कर दिया कि रिश्ते केवल खून से नहीं, आत्मा से जुड़ते हैं। इस अवसर पर डॉ.शिल्पी सिंह ने अपने आत्मीय भाई डॉ.इम्तियाज अहमद सिद्दीकी की कलाई पर प्रेम और विश्वास की डोर बाँधकर रक्षाबंधन की उस गहराई को छुआ, जो जाति, धर्म और समाज की सीमाओं से परे है। यह कोई सामान्य भाई-बहन का रिश्ता नहीं, बल्कि वह आत्मिक संबंध है, जो जीवन की राहों में अचानक जन्म लेता है और फिर जीवनभर निभाया जाता है।

पहली मुलाकात, जो बन गई रिश्ते की बुनियादः डॉ.सिद्दीकी बताते हैं, दिन बुधवार 16 मई 2018 का दिन था। मेरी पत्नी की तबीयत खराब थी, इलाज के सिलसिले में पहली बार डॉ. शिल्पी सिंह से मुलाकात हुई। डॉक्टर और मरीज के परिजन की उस पहली बातचीत में न जाने कैसे एक भावनात्मक रिश्ता पनप गया। कुछ समय बाद, उन्होंने मुझे अपने भाई जैसा मान लिया और मैंने भी बहन की तरह सम्मान दिया। तब से लेकर अब तक हर रक्षाबंधन पर यह रिश्ता और अधिक मजबूत होता गया।

राखी, जो सिर्फ धागा नहीं, एक संकल्प हैः इस वर्ष भी जब डॉ.शिल्पी सिंह ने राखी बाँधी, तो वह सिर्फ एक रस्म नहीं थी, बल्कि उसमें आत्मीयता, स्नेह, और सुरक्षा का अघोषित व्रत

था। डॉ. सिद्दीकी ने कहा, हर राखी के साथ मेरी ज़िम्मेदारी और गहराई से बढ़ जाती है। बहन का स्नेह मुझे अपने कर्तव्यों की याद दिलाता है कि जब तक जीवन है, मैं उसकी रक्षा, सम्मान और आत्मबल के लिए हर परिस्थिति में साथ खड़ा रहूँगा।

समाज को मिला संदेश– मानवता ही सबसे बड़ा धर्म हैः इस आत्मिक रिश्ते ने यह साबित कर दिया कि जब भावना सच्ची हो, तो धर्म, जाति, या सामाजिक भेदभाव कोई मायने नहीं रखते। यह दृश्य न केवल भावुक करने वाला था। बल्कि समाज के लिए एक गहरा संदेश भी छोड़ गया। कि असली रिश्ते आत्मा से बनते हैं, पहचान या परंपराओं से नहीं।

सामाजिक कार्यों में अग्रणी, भावनाओं में कोमलः डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी न केवल एक संवेदनशील पत्रकार हैं। बल्कि समाजसेवा में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। अन्य अखबार में 11 साल तक उसके बाद उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के सह-संपादक के रूप में वे पिछले 4 वर्षों से कार्य कर रहे है समय समय पर सामाजिक मुद्दों की आवाज उठाते रहते है।

साथ ही, मुस्लिम लावारिस लाश इंतजामिया कमेटी, जौनपुर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में सैकड़ों से अधिक बेसहारा मृतकों का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार करवाकर मानवीय सेवा का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे है।

रक्षाबंधन के इस पावन अवसर पर डॉ.शिल्पी सिंह और डॉ.इम्तियाज सिद्दीकी का यह आत्मिक बंधन समाज के लिए प्रेम, सौहार्द और मानवीय मूल्यों की प्रेरणा है। यह हमें सिखाता है कि राखी का धागा सिर्फ कलाई पर नहीं, दिलों में बाँधा जाता है, और वही धागा सबसे मजबूत होता है।

प्राचीन शिव मंदिर की जमीन कब्जा होने पर ग्रामीणों में भारी आक्रोश

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम सभा मटियाही में प्राचीन शिव मंदिर का परिसर

स्थानीय लोगों द्वारा पूर्ण रूप से कब्जा कर लिया गया है। जिसका विरोध ग्राम वासियो द्वारा किया जा रहा है। स्थानीय लोगों में विनोद कुमार दुबे, राजपति दुबे, लालमनि तिवारी, अशोक, चंचल मौर्य, अवधेश, राजाराम मौर्य, नन्हे उमाशंकर पाल, गिरजा शंकर ने बताया कि यह लगभग 100 वर्ष अधिक पुराना प्राचीन शिव मंदिर है। इस मंदिर से ग्राम वासियों की पूरी आस्था जुड़ी हुई है इस मंदिर पर विशाल कुमार बना हुआ है। जिसका उपयोग अब नहीं हो रहा है। इस कुएं से बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पानी पिया करते थे। लेकिन आज इस मंदिर की दशा यह हो गई है कि इस मंदिर के स्थानीय लोगों द्वारा पूर्ण रूप से मंदिर पर कब्जा कर लिया गया है। जिससे शिव भक्तों में काफी रोष व्याप्त है। ग्राम प्रधान प्रदीप पटेल ने बताया कि इस मंदिर का जीर्णोद्धार भी करवाना है। ग्रामवासी द्वारा बताया गया कि यदि मंदिर परिसर से कब्जा नहीं हटा तो हम लोग विरोध प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगे।मटियाही गांव में पक्की सड़क जर्जर हो गई है। सड़क जगह-जगह गड्ढे में तब्दील हो चुकी है। सड़क पर चलना मुश्किल हो गया, ग्रामीणों ने बताया कि इस गांव में सामुदायिक शौचालय बना है लेकिन उसका ताला नहीं खुलता है।शाम लाल शौचालय शो पीस बनाकर खड़ा है। सामुदायिक शौचालय तक जाने का कोई रास्ता नहीं है।

जौनपुर में सात साल के बालक ने अरबी भाषा के धार्मिक ग्रंथ को पूरा पढ़ा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर जिसको शिराजे हिन्द कहा जाता है उसकी रमक आज भी इस शहर में बाकी ही। कभी इल्म और अमल का मरकज रहा जौनपुर आज भी ज्ञान की स्थली बना हुआ है। इसी का मान रखा है।सिपाह मोहल्ले के सिपाह अचला देवी घाट के रहने वाले नन्हे बालक मोहम्मद अब्दुल कादिर पुत्र गुफरान ने कम उम्र में ही अरबी की कठिन भाषा में पवित्र ग्रंथ को पूरा सही सही पढ़ लिया है। मदरसा जामिया अरबिया हकीमुल उलूम बागे अरब सिपाह जौनपुर से अरबी पढ़ना सिखा इस खुशी में उनके उस्ताद हाफिज कुद्दुस को लोगों ने पगड़ी बांध कर सम्मानित किया है। इस मौके पर नन्हे बालक की मां बुआ और भाई उमर ने उसके अच्छे मुस्तकबिल की दुआ दी है।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के प्रथम चरण में परिषदीय विद्यालयों में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

छात्रों ने हाथों में तिरंगा लेकर निकाली जनजागरूकता रैली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान को लेकर जनपद में व्यापक स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। हर घर तिरंगा 2025 अभियान के प्रथम चरण के तहत जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के निर्देशन में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल के नेतृत्व में जनपद के समस्त परिषदीय विद्यालयों में

तिरंगा रैली, पेटिंग प्रतियागिता सहित विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।ब्लाक संसाधन केन्द्र मडियाहूं और प्राथमिक विद्यालय बासुदेवपट्टी में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की उपस्थिति में तिरंगा रैली निकाली गयी। इस दौरान छात्रों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम जैसे नारों से पूरे वातावरण को देशभक्ति की भावना से सराबोर कर दिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि शासन के निदेर्शानुसार 02 से 15 अगस्त 2025 तक तीन चरणों में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें विद्यालयों के स्तर पर रंगोली प्रतियोगिता, रक्षाबन्धन, दीवालों पर पेन्टिग और तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। जिसके क्रम में आज ब्लाक संसाधन केन्द्र मड़ियाहूं में तिरंगा यात्रा निकाली गयी ताकि बच्चों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की जा सके और अमर शहीदों के बलिदान को याद किया जा सके। इसके अतिरिक्त प्राथमिक विद्यालय सबरहद, प्राथमिक विद्यालय सिददीकपुर कंरजाकला, कम्पोजिट विद्यालय पंचहटिया, प्राथमिक विद्यालय ककोरगहना सहित जनपद के समस्त परिषदी विद्यालयों में विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। विद्यालयों की दीवारों एवं सूचनापटों को तिरंगा प्रेरित कला से सजाया गया। जिसमें छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। तिरंगा एवं देशभक्ति से संबंधित चित्रकला, रंगोली, कहानी, लेखन और रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन कर बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान किया गया। तिरंगा थीम पर राखी बनाने की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। विद्यालयों के बच्चों ने अपनी बनाई हुई राखियां सैनिकों एवं पुलिसकर्मियों को आभार पत्र सहित डाक द्वारा प्रेषित कीं इसके साथ ही माध्यमिक विद्यालयों में भी विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी, शिक्षक संगठन के प्रतिनिधिगण, एसआरजी, एआरपी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

अमेरिका की वैज्ञानिक डॉ.साक्षी सिंह ने की डॉ.लालजी सिंह रिसर्च सेंटर की किया सराहना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हाइब्रिड करियर और वैज्ञानिक सोच पर दिया जोर सिकरारा क्षेत्र के कलवारी में स्थित डॉ.लालजी सिंह सेंटर का अवलोकन करने पहुंचीं येल विश्वविद्यालय, अमेरिका की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.साक्षी सिंह ने सेंटर की प्रशंसा करते हुए इसे पूर्वांचल का एकमात्र जीनोमिक सेंटर बताया। उन्होंने इसे और विकसित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई। डॉ.साक्षी ने अपनी प्रेरणादायी शैक्षिक यात्रा साझा की, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे एक साधारण परिवार की लड़की बनारस से भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर और सीसीएमबी हैदराबाद पहुंची। उन्होंने डॉ.लालजी सिंह के मार्गदर्शन में पीएचडी पूरी की और नीदरलैंड से पोस्ट डॉक्टरेट करने के बाद अमेरिका में शोध कार्य कर रही हैं। राहुल महाविद्यालय के छात्रों को करियर सलाह देते हुए उन्होंने हाइब्रिड करियर को प्राथमिकता देने की बात कही, जिसमें उद्योग और शैक्षणिक क्षेत्रों को एक साथ जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि भारत में ऐसी संभावनाएं यूरोप और अमेरिका से कहीं अधिक हैं। क्योंकि यह मॉडल

वास्तविक दुनिया की समस्याओं का समाधान करेगा। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में सूचनाओं की बाढ़ का जिक्र करते हुए कहा, अब चुनौती यह नहीं है कि सूचना उपलब्ध नहीं है। बल्कि यह है कि उसमें से क्या चुनना और क्या छोड़ना है। इसके लिए वैज्ञानिक सोच विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर बीएचयू के जीन वैज्ञानिक प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे ने डॉ. लालजी सिंह के भारतीय विज्ञान में योगदान को याद किया। सेंटर के निदेशक डॉ.आशीष सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में राहुल महाविद्यालय के प्राचार्य एके श्रीवास्तव, धर्मेंद्र यादव, अरुण कुमार, प्रकाश सिंह, प्रशांत सिंह, आनंद शर्मा और विभिन्न कक्षाओं के छात्र उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत आशाओं का संवेदीकरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय ब्लॉक सभागार सोंधी में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के विषय में संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसमें 1 से 19 साल के सभी बच्चों किशोर किशोरियों को कृमि नियंत्रण की दवाई (अल्बेंडाजाल) सभी स्कूल आंगनबाड़ी केदो पर दिनांक 11 अगस्त 2025 को खिलाया जाएगा गैर पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को नजदीकी आंगनबाड़ी केदो में बुलाकर खिलाया जाएगा। और छूटे

हुए बच्चों को माप-अप राउंड के दौरान 14 अगस्त 2025 को खिलाया जाएगा। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के द्वारा बताया गया की कृमि मनुष्य की आत में रहते हैं जीवित रहने के लिए मानव शरीर के जरूरी पोषक तत्व को खा जाते हैं। कृमि संक्रमण के लक्षण गंभीर कृमि संक्रमण से कई लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं जैसे दस्त, पेट में दर्द, कमजोरी, उल्टी और भूख ना लगना बच्चों में कीड़े की मात्रा जितनी अधिक होगी संक्रमित व्यक्ति के लक्षण उतने ही अधिक होंगे। कृमि संक्रमण का इलाज सुरक्षित और लाभकारी डीवार्मिंग टैबलेट का उपयोग करके किया जा सकता है। डी वार्मिंग के बहुत फायदे हैं स्वास्थ्य और पोषण में सुधार होता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है एनीमिया नियंत्रण होता है। समुदाय में कृमि संक्रमण के व्यापकता में कमी आती है सीखने की क्षमता और कक्षा में उपस्थिति में सुधार होता है। वयस्क होने पर काम करने की क्षमता और आय में बढ़ोतरी होती है। जो बच्चे बीमार हैं या कोई दवाई ले रहे हैं। उन्हें एल्बेंडाजोल दवाई नहीं खिलाई जाएगी बच्चों को दवा खिलाने से पहले माता-पिता को मामूली दुष्प्रभाव के बारे में जरूर बताएं कुछ बच्चों के शरीर में कृषि के कारण मामूली दुष्प्रभाव जैसे मिचली आना, उल्टी, दस्त पेट में हल्का दर्द और थकान जैसे अनुभव होने की संभावना हो सकती है।यह दुष्प्रभाव अस्थाई होते हैं और आमतौर पर आसानी से ठीक हो जाते हैं। इसके साथ ही विश्व स्तनपान सप्ताह के बारे में जानकारी दी गई। जिसमें जन्म के तुरंत बाद बच्चे को मां का पहला पीला गाढ़ा दूध 6 माह तक केवल स्तनपान 6 माह के बाद मां के दूध के साथ ऊपरी आहार और कम से कम 2 वर्ष तक स्तनपान जारी रखना के बारे में जानकारी दिया गया। बैठक में विप्लव यादव अमिताभ शुक्ला बीएमसी अवधेश कुमार तिवारी अशोक कुमार कुशवाहा अंजना भारती सहित सैकड़ों आशा कार्यकत्रिय उपस्थित रही कार्यक्रम का संचालन अंजना भारती ने किया।

फरीदुल हक
मेमोरियल पी.जी. कॉलेज
प्रवेश प्रारम्भ
सत्र : 2025-2026
बी.ए. - हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत
मध्य. इतिहास, राजनीति शास्त्र, गृह विज्ञान
मनोविज्ञान, समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र
बी.एस.सी.- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान
भौतिक विज्ञान, रासायन विज्ञान, गणित
एम.ए.- हिन्दी, उर्दू, समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र
एम.एस.सी.- प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान
बी. कॉम-
उन छात्र/छात्राओं को मुफ्त प्रवेश प्रदान कर रहा है जिनके पास संगीत, गायन, नृत्य, पेंटिंग्स आदि के क्षेत्र में विशेष कौशल/योग्यता है।
खेल कोटा के अंतर्गत उन छात्र/छात्राओं को मुफ्त प्रवेश प्रदान कर रहा है जिनके पास विभिन्न खेलों में विषेश कौशल/योग्यता है।
समस्त बोर्ड के विद्यालय/कालेज के टॉपर छात्र/छात्राओं को मुफ्त प्रवेश प्रदान कर रहा है।
तालीमाबाद, सबरहद, शाहगंज-जौनपुर
9236926850
9936764005
9795585838
प्रबन्धक- नासिर जमाल शेख
प्राचार्य- डा. तबरेज़ आलम

मेडिकल कालेज जौनपुर में यूरोलॉजी ओपीडी का हुआ शुभारंभ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर की प्रधानाचार्य प्रो.डा.रूचिरा सेठी के मार्ग दर्शन में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा.ए.ए. जाफरी ने अस्पताल में आज यूरोलॉजी ओपीडी का शुभारम्भ उप-प्रधानाचार्य प्रो.डा.आशीष यादव एवं डीन एकेडिमिक प्रो.डा.तबस्सुम यासमिन के कर कमलो द्वारा फीता काटकर किया गया।उप प्रधानाचार्य प्रो.डा.आशीष यादव ने बताया कि आज का दिन हमारे संस्थान के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि का प्रतीक है। यूरोलॉजी ओपीडी का शुभारम्भ न केवल चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। बल्कि यह आमजन के लिए राह और विश्वास का संदेश भी है। यूरोलॉजी से संबंधित बीमारियाँ जैसे मूत्रनली में संक्रमण, गुर्दे की पथरी, प्रोस्टेट की समस्या, इत्यादि-आजकल आम होती जा रही हैं, और इनकी समय पर जांच व इलाज अति आवश्यक है। अब इन समस्याओं के लिए लोगों को बड़े शहरों का रूख करना पड़ता था।जो समय, धन और मानसिक बोझ का कारण बनता था। लेकिन आज से, हमारे ही अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में यह सुविधा उपलब्ध होगी। यह हमारे संस्थान की सेवा भावना और जन-कल्याण के प्रति समर्पण का स्पष्ट उदाहरण है। डीन एकेडमिक-प्रो.डा.तबस्सुम यासमिन ने अपने उद्बोधन में कहा कि यूरोलॉजी ओपीडी

का शुभारंभ एक अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण है। यह न केवल हमारे शैक्षणिक एवं चिकित्सकीय विस्तार का प्रतीक है। बल्कि यह जन-कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। यूरोलॉजी चिकित्सा का वह महत्वपूर्ण विभाग है जो गुर्दे, मूत्रनली, मूत्राशय और पुरुष प्रजनन प्रणाली से जुड़ी समस्याओं की जांच और उपचार से संबंधित है। बदलती जीवनशैली और बढ़ते तनाव के कारण ऐसी बीमारियाँ अब तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में इस ओपीडी की शुरूआत एक समयानुकूल और समाजोपयोगी पहल है। मैं इस पहल के लिए अस्पताल प्रशासन, प्रबंधन समिति और विशेष रूप से हमारे समर्पित डॉक्टरों की टीम को हार्दिक बधाई देती हूँ। यह सुविधा अब हमारे छात्रों के लिए भी एक प्रैक्टिकल लर्निंग प्लेटफॉर्म बनेगी। जहाँ वे विशेषज्ञों से सीख सकेंगे और भविष्य में समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर सकेंगे।मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो.डा.एए जाफरी ने अपने विचारो को प्रकट करते हुए बताया कि आज हमारे अस्पताल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन है। हमें यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि यूरोलॉजी ओपीडी का शुभारम्भ आज से हमारे संस्थान में हो रहा है। यह ओपीडी विशेष रूप से उन मरीजों के लिए समर्पित है। जिन्हें मूत्र से संबंधी, गुर्दों से जुड़ी बीमारियाँ, प्रोस्टेट की समस्या या पुरुष प्रजनन प्रणाली से संबंधित कठिनाइयाँ हैं। हमारे पास अब इस क्षेत्र के विशेषज्ञ यूरोलॉजिस्ट डा.प्रदीप कुमार सिंह मौजूद रहेंगे जो ओपीडी के समयानुसार सेवा देंगे। यह सुविधा आम जन के लिए पूरी तरह से सुलभ और सहायक होगी, जिससे उन्हें बड़े शहरों या प्राइवेट अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। मैं इस अवसर पर हमारे अस्पताल प्रशासन, तकनीकी स्टाफ, सहयोगी विभागों और सभी समर्थनकताओं का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने इस ओपीडी को सफलतापूर्वक प्रारंभ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डा० प्रदीप कुमार सिंह, यूरोलॉजिस्ट ने बताया कि हमारा लक्ष्य इलाज देने के साथ साथ समय पर निदान, जागरूकता और जनहित में समर्पण है। इस दिशा में यह पहल एक मील का पत्थर साबित होगी। मैं जौनपुर की जनता से आग्रह करूंगा की यदि किसी को भी मूत्र से संबंधित, गुर्दों से जुड़ी बीमारियो की समस्या है तो वे हमसे मेडिकल कॉलेज, जौनपुर के सर्जरी ओपीडी ब्लाक नं0 203 में मिलकर परामर्श एवं उपचार करा सकते है।

श्रीराम यादव बालिका महाविद्यालय
प्रवेश प्रारम्भ
सत्र- 2025- 2026
सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ0प्र0)
बी.ए. हिन्दी, भूगोल
प्राचीन इतिहास, शिक्षा शास्त्र
गृह विज्ञान, समाज शास्त्र, उर्दू
प्रबंधक- सुरेन्द्र प्रताप यादव 9956705411, 8009766617
प्रतापनगर बरंगी पोस्ट मानीकलां, शाहगंज, जौनपुर (उ0प्र0) 222139

बलिया में सड़क दुर्घटना में भाजपा नेता की मौत

बलिआ(उत्तरशक्ति)। जनपद के उभांव थाना क्षेत्र अंतर्गत तिरनई

खिजिरपुर तथा बिडहरा के बीच सड़क हादसे में भाजपा के बूथ अध्यक्ष भास्कर राय की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही इलाके में शोक की लहर है। वहीं घर-परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि बुधवार की रात करीब 9 बजे नगरा थाना क्षेत्र के गौवापार (कुमीर्पुरा) मालीपुर गांव निवासी भाजपा नेता भास्कर राय (37) गांव लौट रहे थे। तिरनई खिजिरपुर और बिडहरा के बीच उनकी बाइक एक बछड़े से टकराने के बाद असंतुलित होकर ई-रिक्शा से टक्कर गई। घटनासल पर पहुंचे लोगों ने उन्हें सीएचसी सीयर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने जनसुनवाई के दौरान सुनीं जनसमस्याएं, नगर आयुक्त को त्वरित समाधान हेतु दिए निर्देश

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में कैन्ट के विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने प्रत्येक गुरुवार की भांति आज भी शिवाजी नगर जनसंपर्क कार्यालय में जनसुनवाई इस अवसर पर उन्होंने बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों की व्यक्तिगत सामाजिक एवं क्षेत्रीय समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए।

जनसुनवाई का आयोजन प्रातः 9 बजे से अपराह्न 2:30 बजे तक चला जिसमे क्षेत्रीय जनता बड़ी संख्या में भाग लिया। वाराणसी के तुलसीपुर निवासी प्रमोद जायसवाल ने ओबरा में उनकी पुस्तैनी जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत की इस पर विधायक ने उप-जिलाधिकारी ओबरा को मामले की जांच कर उचित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नि:शुल्क जाँच शिविर
गुरुवार 14 अगस्त 2025
प्रातः 10 बजे से सायं 03 बजे तक
शुगर की जाँच
HbA1c की जाँच
हड्डी की जाँच (BMD)
नस की जाँच (Neuropathy)
फेफड़ों की जाँच (Spirometry)
यूरिक एसिड
कोलेस्ट्राल की जाँच
थायराइड की जाँच
डा. शारिक नदीम
M.B.B.S., MD
फिजिशियन, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डा. अभिजीत कुमार
M.B.B.S., M.I.M.A
जनरल फिजिशियन
डा0 इरफान अहमद
B.U.M.S.CCH (Indore)
N.D.E.P.C.
Helpline 6307493268
नोबल हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
आज़मगढ़ रोड, निकट, सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पंचहटियाँ, जौनपुर-222001

बी एड प्रथम सत्र का हुआ शुभारंभ

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज के स्थानीय शहर क में गुरूवार को गोरख सिंह महाविद्यालय महराजगंज सिवान के बी एड प्रथम वर्ष के कक्षा की शुरूआत हवन-पूजन, सरस्वती वंदना के साथ प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्ष सह निदेशक प्रो अभय कुमार सिंह, शैक्षणिक निदेशक श्रीमती वीणा कुमारी. डॉ.राजनाथ जी,डॉ अरचना तिवारी, प्रो मंजीत कुमार, डॉ सोनु कुमार यादव, कृष्णा सिंह प्रो रामवृझ कुमार, राहुल कुमार सिंह मनोज कुमार सिंह, सत्य प्रकाश, रामकृष्ण जी तथा सभी सहकर्मी व नामांकित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

खेत में लगे तार में प्रवाहित विद्युत करंट से युवक की मौत

-धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के बनगांव डढिया गांव में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में बिजली प्रवाहित तार की चपेट में आने से पुत्र की मौत हो गई, जबकि पिता गंभीर रूप से झुलस गए। जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी एक व्यक्ति ने अपने खेत की सुरक्षा के लिए सीमेंटेड पोल लगाकर लोहे के तार से बाड़ बनाई थी। जिसमें अवैध रूप से बिजली प्रवाहित की गई थी। इसी के संपर्क में आने से युवक जमाली की मौके पर ही मौत हो गई ' जबकि उसके पिता सोचन बुरी तरह झुलस गए।

घटना के बाद बदलापुर सीएचसी में प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हीं सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीणों में घटना को लेकर गहरा आक्रोश और शोक का माहौल है।

साइबर ठगों ने शिक्षक के बैंक खाते से उड़ाए 1.01 लाख, पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले में साइबर अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि अब सरकारी कर्मचारियों को भी निशाना बनाया जा रहा है। ताजा मामला शहर के सिविल लाइन स्थित भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा का है। जहां एक शिक्षक के वेतन खाते से बीती रात साइबर ठगों ने दो बार में कुल 1,01,989 की रकम उड़ा ली।

लाइन बाजार थाना क्षेत्र के जनक कुमारी इंटर कॉलेज में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत शिक्षक विपनेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उनका वेतन खाता भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा में है। बीती रात लगभग 10:34 बजे उनके खाते से 99,989 की निकासी हुई, और कुछ ही मिनट बाद 10:42 बजे पुनः 2,000 निकाल लिए गए। भुक्तभोगी शिक्षक को इसकी जानकारी आज सुबह मोबाइल पर आए बैंक के एसएमएस से हुई, जिसे देखकर वह स्तब्ध रह गए। उन्होंने तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कई बार कॉल करने का प्रयास किया।लेकिन कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला।थक-हार कर जब वह जिला साइबर थाना पहुंचे।तो वहां मौजूद अधिकारियों ने उन्हें प्राइवेट साइबर कैफे से ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराने की सलाह दी। इसके बाद उन्होंने स्वयं साइबर कैफे से शिकायत दर्ज कराई जिसका Acknowledgement No 23108250114842 है, और श्रेणी फाइनेंशियल फ्रॉड दर्ज की गई है। शिक्षक ने आरोप लगाया कि साइबर थाना से उन्हें किसी प्रकार की ठोस सहायता नहीं मिली और वे पुलिस के लापरवाह रवैये से बेहद आहत हैं। उन्होंने कहा कि जब आम नागरिक को अपने खून-पसीने की कमाई की सुरक्षा की गारंटी नहीं मिल रही, और साइबर अपराधियों के खिलाफ कोई त्वरित कार्रवाई नहीं हो रही, तो यह सिस्टम पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।शिक्षक की मानें तो अब अन्य बैंक खाताधारकों में भी दहशत फैल गई है कि कहीं अगला नंबर उनका न हो। इस घटना से यह सवाल उठता है कि एक तरफ जहां देश डिजिटल क्रांति की ओर अग्रसर है।वहीं दूसरी ओर साइबर अपराध लगातार पुलिस व प्रशासन की चुनौती बनते जा रहे हैं।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण व फोटो वायरल करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना केराकत पुलिस टीम द्वारा शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने व फोटो वायरल करने वाले 01 वांछित आरोपी को किया गया गिरफ्तार। पूर्व की घटना का संक्षिप्त विवरण 02.08.2025 को वादिनी मुकदमा द्वारा बताया गया कि अखिलेश सोनकर पुत्र सुरेश सोनकर उर्फ बबलू सोनकर निवासी ग्राम शेखजादा, थाना केराकत ने प्रार्थिनी को झूठा वादा कर प्रार्थिनी को अपने बातो में फसाकर 8 माह तक शारीरिक शोषण किया है। प्रार्थिनी को यह कहता था कि मैं अपनी पत्नी से तलाक देकर तुम्हारे साथ शादी कर लूंगा। प्रार्थिनी के साथ गाड़ी में ही दिनांक 29.05.2025 को प्रार्थिनी के मांग में सिन्दूर भरके प्रार्थिनी के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाया। दिनांक 29. 07.2025 को अखिलेश ने अपने इस्ट्राग्राम एकाउण्ट और फेसबुक से प्रार्थिनी का सब फोटो वायरल कर दिया ।जिससे प्रार्थिनी की सामाजिक छवि काफी खराब हो गया है। इस प्रार्थना पत्र पर बनाम अखिलेश सोनकर पुत्र सुरेश सोनकर उर्फ बबलू सोनकर निवासी शेखजादा थाना केराकत जनपद जौनपुर के थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 216/25 धारा 69/351(3)/352 बीएनएस 67 आईटी एक्ट थाना केराकत जनपद जौनपुर पर पंजीकृत किया गया ।

वादिनी मुकदमा का बयान अन्तर्गत धारा 183 बीएनएसएस सम्पन्न कराने के पश्चात वांछित आरोपी अखिलेश सोनकर उर्फ सुरेश सोनकर उर्फ बबलू निवासी शेखजादा थाना केराकत जनपद जौनपुर को गोमती नदी पुल के पास से आज दिनांक-07.08.2025 को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय किया जा रहा है।

स्वतंत्रता का जश्न हर घर तिरंगे के संग - प्राचार्य डॉ अब्दुल कादिर खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज, जौनपुर में आज राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) के तत्वावधान में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत एक विशाल रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के निर्देशन में आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य आमजन को तिरंगे के प्रति सम्मान और देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत करना था।कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने मिलकर देश की एकता, अखंडता और विविधता को दर्शाने वाली एक आकर्षक और रंगीन रंगोली का निर्माण किया। इस रंगोली के माध्यम से ₹हर घर तिरंगा, हर दिल में तिरंगा का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया गया।इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा।हर घर तिरंगा अभियान स्वतंत्रता के 78 वर्षों की उपलब्धियों का उत्सव है। जब तिरंगा हर घर पर लहराएगा, तब राष्ट्र का हर नागरिक गर्व, सम्मान और देशभक्ति का अनुभव करेगा। ठरर के माध्यम से युवाओं की यह भागीदारी अत्यंत सराहनीय है। कार्यक्रम के इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलेश सिंह,डॉ. अमित जायसवाल,डॉ .अरविंद यादव,डॉ .विवेक विक्रम सिंह,डॉ .राशिद,डॉ. ममता सिंह, डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव,अहमद मेहंदी,अहमद अब्बास खान महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाई। रंगोली कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों में राष्ट्रप्रेम, जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना को जागृत किया गया। साथ ही उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रीय ध्वज के महत्व, उसके सम्मान और उसे सही तरीके से फहराने की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे 15 अगस्त 2025 को अपने घरों पर तिरंगा अवश्य फहराएँगे और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

राखी पर बाजारों में दिखी रौनक, राष्ट्रप्रेम और लोकल राखियों की डिमांड

सुरेश गांधी

वाराणसी। रक्षाबंधन अब केवल भाई-बहन का त्योहार नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, लोकल उद्यमिता, और पर्यावरण चेतना की सशक्त अभिव्यक्ति बन गया है। बाजार की रौनक, लोगों की भागीदारी और थीम आधारित राखियों की मांग यह साबित करती है कि परंपरा के साथ-साथ अब त्योहार भी अपने भीतर नई सामाजिक चेतना समेटे हुए हैं। जी हां, रक्षाबंधन का पर्व नजदीक आते ही शहर के बाजारों में रौनक लौट आई है। भाई-बहन के अटूट प्रेम के इस पर्व को लेकर खरीदारी जोरों पर है। राखियों की सजी दुकानों पर बहनें अपने भाइयों के लिए सुंदर और अर्थपूर्ण राखियां चुन रही हैं। इस बार बाजारों में पारंपरिक राखियों के साथ-साथ इनोवेशन से भरपूर थीम बेस्ड राखियां खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। शहर की गलियों से लेकर प्रमुख बाजारों तक, हर जगह एक उत्सवी माहौल है। दुकानदारों के चेहरे भी ग्राहकों की भीड़ देखकर खिल उठे हैं। इस बार रक्षाबंधन केवल एक पारंपरिक त्योहार भर नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारतऔर राष्ट्रप्रेम की भावना को समर्पित हो चला है। बाजारों में मोदी - योगी राखी, ऑपरेशन सिंदूर राखी, जय हिंद राखी, वंदे मातरम राखी और भारत माता की जय जैसे नामों वाली राखियों की धूम मची है। ये राखियां केवल सजावटी धागा नहीं, बल्कि देशभक्ति का संदेश लेकर आई हैं। इनोवेशन वाली राखियों में इस बार डिजिटल राखी, बीज राखी, खादी राखी, बांस राखी और कस्टमाइज फोटो राखी जैसे विकल्पों ने युवाओं को खासा आकर्षित किया है। ग्राहक अपने भाई की तस्वीर और नाम के साथ राखियां बनवा रहे हैं, जिससे भावनाओं को और गहराई मिल रही है।

वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने बताया कि इस बार बाजारों में चीन निर्मित राखियां पूरी तरह से गायब हैं। देशी कारीगरों द्वारा तैयार की गई राखियों को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। खादी, कोसा, जूट, मधुबनी कला, सांगानेरी प्रिंट, रेशम और असम की चाय पत्ती से बनी राखियां देश की विविधता को भी दर्शा रही हैं। दिल्ली, मुंबई, नागपुर, कोलकाता, पुणे, जयपुर, झारखंड और बिहार से आई राखियों ने बाजारों को विविध रंगों से सजाया है। बग्गा ने बताया कि इस वर्ष रक्षाबंधन पर वाराणसी सहित पूर्वांचल में 500 करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना है। मिठाइयों, उपहारों और चॉकलेट की बिक्री से जुड़े कारोबारियों को भी जबरदस्त मुनाफे की उम्मीद है। मिठाई की दुकानों ने त्योहार को देखते हुए विशेष पैकेजिंग और ऑफर्स भी पेश किए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में निःशुल्क यात्रा की घोषणा की है। इससे दूरदराज के इलाकों में रहने वाली बहनों को भाइयों तक पहुंचने में सहूलियत मिलेगी। सरकारी निर्णय से आमजन में सकारात्मक संदेश गया है। वाराणसी सहित देशभर में इस बार रक्षाबंधन के अवसर पर सेना के जवानों को राखी भेजने की परंपरा भी जोर पकड़ रही है। विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्कूलों और परिवारों की ओर से फौजियों को राखियां भेजी जा रही हैं। इससे रक्षा पर्व का दायरा घर-परिवार से बढ़कर राष्ट्ररक्षा तक पहुंच रहा है।

प्रताप फाउंडेशन प्रो गोविंदा सीजन 3 ट्रॉफी का अनावरण वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिसगेल के उपस्थिति में

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में गोविंदा को एक उचित मंच प्रदान करने वाले प्रो गोविंदा लीग के बहुप्रतीक्षित तीसरे सीजन का उद्घाटन इस वर्ष की ट्रॉफी के अनावरण के साथ हुआ। यह समारोह मीरा भायंदर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और प्रो गोविंदा सीजन 3 के ब्रांड एंबेसडर क्रिसगेल महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री माननीय प्रताप सरनाईक और प्रो गोविंदा लीग के अध्यक्ष श्री पूर्वेश सरनाईक के साथ-साथ बार्सिलोना के विला फैंका की विश्व रिकॉर्ड विजेता मानव मनोरा टीम के अंतर्राष्ट्रीय अतिथि भी उपस्थित थे।

प्रो गोविंदा लीग का तीसरा सीजन 7, 8 और 9 अगस्त 2025 को वर्ली के प्रतिष्ठित डोम, एसवीपी स्टेडियम में आयोजित होने वाला है। इस साल का सीजन और भी भव्य और शानदार होने वाला है, जिसमें 16 पेशेवर टीमें, 3200 से ज्यादा गोविंदा अपने हुनर और क्षमता का प्रदर्शन करेंगी। गोविंदा सीजन 3 के लिए कुल 1.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि रखी गई है। प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार 75 लाख रुपये, दूसरा पुरस्कार 50 लाख रुपये, तीसरा पुरस्कार 25 लाख रुपये रखा गया है, और प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 1-1 लाख रुपये दिए जाएँगे। प्रसिद्ध क्रिकेटर और प्री गोविंदा सीजन 3 के बैंड एम्बेसडर क्रिसगेल, महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री माननीय प्रताप सरनाईक और विला फैनका संघ की उपस्थिति में प्रो गोविंदा सीजन 3 की ट्रॉफी का अनावरण किया गया। इसके बाद, तरुण गोविंदा द्वारा प्रस्तुत मानव चेतना के सात स्तरों के जीवंत प्रदर्शन ने उपस्थित गणमान्य लोगों का दिल जीत लिया। इस अवसर पर उन्होंने क्रिसगेल वादक के साथ भाग लिया और इस सांस्कृतिक कार्यक्रम को एक अलग ही रंग दे दिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर क्रिसगेल ने इस मौके पर कहा कि प्रो गोविंदा लीग के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में जुड़ना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। मैंने दुनिया भर में बहुत खेल देखे हैं। लेकिन यहां के गोविंदाओं में एक खास बात है ऊर्जा के साथ-साथ बाल कृष्णा लीला के प्रतीक मानाय जाता है यह बड़ी बात है।

विवा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में एआई और एम एल के मुख्य अतिथि ऋषिकेश पांडे

विरार (उत्तरशक्ति)। विवा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित सत्र में, मुख्य अतिथि ऋषिकेश पांडे ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एम एल) पर एक शानदार चर्चा की। विवा कॉलेज में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होना उनके लिए एक अद्भुत अनुभव था और उन्होंने कॉलेज का धन्यवाद किया कि उन्होंने छात्रों के कल्याण के लिए उन्हें इस तरह के अवसर प्रदान किए। इस सत्र में छात्रों के साथ बातचीत करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे लोग अपने दैनिक जीवन में एआई और एम एल का उपयोग करते समय विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऋषिकेश पांडे ने छात्रों को यह भी बताया कि एआई के क्षेत्र में करियर के अवसर कितने व्यापक हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में आर्टिफिशियल और मशीन लर्निंग के उपयोग के बारे में जानकारी दी, जैसे कि स्वास्थ्य सेवा, कृषि, वित्त, और परिवहन। उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि कैसे ये तकनीकें भारत में विकास और नवाचार को बढ़ावा दे रही हैं।

इस सत्र में छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने प्रश्न पूछे, जिससे एक संवादात्मक वातावरण बना। यह चर्चा न केवल ज्ञानवर्धक थी, बल्कि छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी। हम विवा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में इस तरह के सत्रों के आयोजन को लेकर उत्साहित हैं।

गंदगी से पटे खुदीराम बोस सरोवर की ली सुधि, जिलाधिकारी के निर्देश पर शुरू हुई सफाई

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलधिकारी के निर्देश पर नगर पंचायत गौराबादशाहपुर, जौनपुर के वार्ड न. 3 सखैला स्थित तालाब(शहीद खुदीराम बोस सरोवर) का निरीक्षण गुरूवार को अधिशासी अधिकारी शशिकांत तिवारी एवं टीम द्वारा किया गया । 6 अगस्त को जिलाधिकारी महोदय द्वारा नगर पंचायत गौराबादशाहपुर का औचक निरीक्षण किया गया था एवं तालाबों के सफाई पर विशेष ध्यान देने को आदेशित किया गया था ।

स्वतंत्रता दिवस एवं हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के अंतर्गत इस तालाब की सफाई 15 अगस्त तक करने का लक्ष्य रखा गया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर हरकत में आये नगर पंचायत प्रशासन ने गुरूवार को उक्त तालाब की सफाई बैक हो लोडर द्वारा शुरू किया। इस दौरान चेयरमैन सीतामनी सोनकर के पति दिनेश सोनकर एवं नगर के प्रबुद्ध जनों द्वारा इस स्वच्छता अभियान की सराहना की तथा नगरवासियों से इस अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की।इस दौरान क्षेत्रीय लेखपाल राहुल मिश्रा, लिपिक नगर पंचायत हरेंद्र बिंद ,आकांक्षी योजना के समन्वयक विशाल द्विवेदी ,वार्ड सभासद मनीष कुमार ,तौफीक अहमद, अमित कुमार ,धर्मेंद्र सिंह, विपिन कुमार आदि उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा 2025 कार्यक्रम के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राज भवन के निदेर्शानुसार हर घर तिरंगा - 2025 कार्यक्रम के अंतर्गत रज्जू भइया संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर में एक रंगोली प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और राष्ट्रभक्ति की भावना को रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त किया।

प्रतियोगिता में विधि विभाग की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि तृतीय स्थान फामेर्सी विभाग की टीम ने हासिल किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागीः प्रियांशी मौर्या, अपर्णा उपाध्याय, प्रतीक्षा शुक्ला, पारुल गुप्ता, प्रिया सोनी, प्राची जैसवाल, खुशी कनौजिया, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागीः शिवानी पांडेय, रानी सिंह, पूजा बिन्द, साक्षी यादव, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागीः खुशी शर्मा, लक्ष्मी प्रजापति, सौम्या मौर्या, काजल यादव, जिज्ञासा विमल, सृजन मौर्या रहीं।कार्यक्रम का समुचित संचालन एवं संयोजन डा. वनिता सिंह एवं डॉ. पूजा सक्सेना के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। यह आयोजन विश्वविद्यालय परिवार के लिए न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव रहा। बल्कि देशभक्ति एवं रचनात्मकता के संगम का प्रतीक भी बना।

ग्रामीण समृद्धि और लचीलापन कार्यक्रम महाराजगंज में चालू करने का सांसद ने लोस में रखी मांग

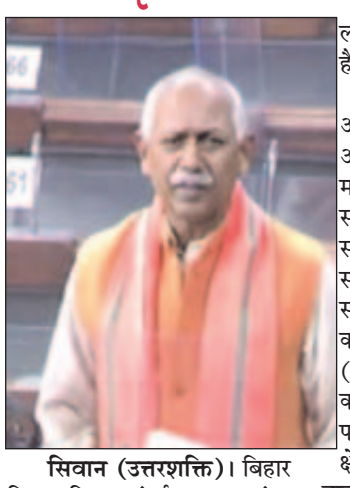

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज, महाराजगंज लोक सभा क्षेत्र के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने लोकसभा में नियम-377 के तहत महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र में वित्त मंत्रालय द्वारा संचालित ग्रामीण समृद्धि और लचीलापन कार्यक्रम को लागु करने की मांग पटल पर रखी है।

सांसद सीग्रीवाल ने लोक सभा अध्यक्ष का ध्यान नियम 377 के अंतर्गत लोक महत्व के एक मामले की ओर आकर्षित किया। सांसद ने कहा है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा संचालित किये जाने वाले ग्रामीण समृद्धि और लचीलापन कार्यक्रम को महराजगंज लोकसभा क्षेत्र (बिहार) में जल्द से जल्द शुरू करने की बात लोक सभा पाताल पर रखी है। कहा है कि संसदीय क्षेत्र महराजगंज, एक ग्रामीण बाहुल्य एवं कृषि प्रधान क्षेत्र है। इस संसदीय क्षेत्र के युवा किसान,ग्रामीण महिलाये,सीमांत और छोटे किसान,ग्रामीण युवा तथा भूमिहीन परिवार के लिए नए रोजगार और व्यवसायों के सृजन में तेजी लाने की अति आवश्यकता है। यह आवयश्कता वित्त मंत्रालय के ग्रामीण समृद्धि और लचीलापन कार्यक्रम को लागू करके पूर्ण किया जा सकता है, क्यो कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक अवसर पैदा करते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना है, जिससे कि ग्रामीण क्षेत्रों से शहर की ओर पलायन को रोका जा सके।

सांसद ने अध्यक्ष के माध्यम से सरकार से अनुरोध किया है कि इस मामले पर तत्काल ध्यान देते हुए महाराजगंज लोक सभा में लागू करने हेतु आवश्यक कारवाई करने की बात रखी है।

आरबीआई की नीति दर स्थिर, अक्टूबर में कटौती की संभावना: साक्षी गुप्ता

पटना। एचडीएफसी बैंक की प्रधान अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता ने कहा कि महंगाई के अनुमान में गिरावट और आर्थिक गतिविधियों में मिश्रित रुझानों के बावजूद, आरबीआई ने अपनी नीतिगत दर को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा है और रुख को भी तटस्थ बनाए रखा है। मौद्रिक नीति समिति का यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। उन्होंने कहा कि ब्याज दरों में आगे कटौती की संभावना अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है। यदि टैरिफ संबंधी परिस्थितियां और अधिक प्रतिकूल होती हैं, तो अक्टूबर की नीति बैठक में दरों में कटौती की संभावना बन सकती है। मुद्रास्फीति अनुमानों को ध्यान में रखते हुए 25झ50 बीपीएस तक की कटौती की गुंजाइश बनी हुई है। एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2026 के लिए नीति दर को स्थिर रहने की संभावना जताई है, जबकि जीडीपी वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो कि आरबीआई के 6.5 प्रतिशत अनुमान से थोड़ा कम है। साक्षी गुप्ता ने यह भी कहा कि यदि टैरिफ वर्तमान स्तर पर ऊंचे बने रहते हैं।

काशी का धाम अब बनेगा देश के लिए मिसाल, प्लास्टिक मुक्त तीर्थ की ओर ऐतिहासिक पहल

अब प्लास्टिक नहीं, परंपरा का साथ : श्री काशी विश्वनाथ धाम की अनूठी पहल

-सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी सनातन संस्कृति की जीवंत आत्मा, और गंगा के तट पर स्थित श्री काशी विश्वनाथ धाम अब एक नया अध्याय लिख रहा है, परंपरा और पर्यावरण के संतुलन का। आधुनिकता की दौड़ में उपेक्षित होती जा रही हमारी पारंपरिक जीवनशैली को फिर से प्रतिष्ठित करने की दिशा में मंदिर प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, धाम को प्लास्टिक मुक्त तीर्थ क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इस निर्णय का केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक क्रियान्वयन भी शुरू हो गया है। गुरुवार को मंदिर परिसर के दुकानदारों को बांस से बनी टोकरी और स्टील के लोटे वितरित किए गए। यह दृश्य केवल सामग्री वितरण का नहीं था, बल्कि पर्यावरणीय चेतना और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का सजीव दृश्य था।

बांस की टोकरी और स्टील लोटे से सजेगा पूजन

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा दिसंबर 2024 में लिए गए निर्णय के क्रम में अब 11 अगस्त से मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार की प्लास्टिक सामग्री जैसे प्लास्टिक लोटा, दूध पात्र, थैली, या फूलों की माला को टोकरी आदि को ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध कोई थोपे गए आदेश की तरह नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं और स्थानीय व्यापारियों की सहभागिता से साकार हो रहा है। श्रावण मास के आरंभ से ही चल रहे जागरूकता अभियान के तहत मंदिर प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि श्रद्धालुओं को पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों के प्रति प्रेरित किया जाए। मतलब साफ है श्रद्धालु अब पूजन सामग्री परंपरागत पात्रों में लेकर आएंगे, जिससे न केवल धार्मिक गरिमा बनी रहेगी बल्कि गंगा और मंदिर परिसर की स्वच्छता भी सुनिश्चित होगी। या यूं कहें श्री काशी विश्वनाथ धाम में अब मिट्टी, धातु और बांस के पात्र होंगे पूजन के साथी, स्वच्छता के साथ पवित्रता की ओर एक कदम और।

प्रशासन ने दिखाई गंभीरता, जनप्रतिनिधियों ने जताया समर्थन

इस अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भागीदारी उल्लेखनीय रही। क्षेत्रीय विधायक नीलकंठ तिवारी, पार्षद सुश्री कनकलता तिवारी, अन्य सभासदों, और मंदिर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यह वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सभी ने फूल-माला विक्रेताओं से परंपरागत टोकरी और पात्रों को अपनाने की अपील की। मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने स्पष्ट शब्दों में कहा, ह्नकाशी विश्वनाथ धाम एक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय धरोहर है। यहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आते हैं और प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग परिसर को गंदा करने के साथ-साथ गंगा नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को भी प्रभावित करता है। अब परिसर में प्लास्टिक से बनी कोई भी सामग्री पूरी तरह से वर्जित होगी। 11 अगस्त से यह व्यवस्था स्थायी और सख्ती से लागू की जाएगी।ह्व धाम परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सूचना पट, बैनर और स्वयंसेवकों की तैनाती के जरिए इस नियम को व्यापक जन-जागरूकता के साथ लागू किया जा रहा है। दुकानदारों और विक्रेताओं को भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे प्लास्टिक के स्थान पर मिट्टी, धातु और बांस से बनी वस्तुएं बेचें, क्योंकि गंगा की पवित्रता और पर्यावरण की रक्षा हमारी प्राथमिकता

श्रद्धा और स्वच्छता का संगम : भक्तों ने खुले मन से अपनाया नो प्लास्टिककाशी

धार्मिक भावनाओं से परिपूर्ण श्रद्धालुओं ने प्रशासन के इस निर्णय का हृदय से स्वागत किया है। प्रयागराज से आए राकेश तिवारी कहते हैं, यह निर्णय स्वागत योग्य है। प्लास्टिक से गंगा और परिसर गंदा होता है। हमें फिर से अपनी परंपरा की ओर लौटना होगा। वहीं स्थानीय श्रद्धालु निर्मला देवी बताती हैं, हम तो पहले से ही घर से पीतल की थाली और लोटा लाते हैं। प्रशासन का यह कदम हमारी आस्था को और पवित्रता देगा।

एक तीर्थ, एक संकल्प : स्वच्छता और संस्कृति का मिलन

यह निर्णय केवल धार्मिक पवित्रता की रक्षा नहीं करता, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन और सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान की भावना को भी धरातल पर उतारता है। यह पहल न केवल काशीवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि देश के अन्य तीर्थस्थलों के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण है।

अब क्या करें श्रद्धालु?

श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि वे पूजन सामग्री पीतल, स्टील, मिट्टी या कागज के पात्रों में लेकर आएं। थैली के रूप में कपड़े या कागज की पोटली का प्रयोग करें। फूल व प्रसाद भी प्राकृतिक रूप में समेटकर लाने की सलाह दी गई है। साथ ही प्रशासन स्थानीय विक्रेताओं को वैकल्पिक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराने में भी सहयोग कर रहा है। काशी विश्वनाथ धाम केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का प्रतीक, पर्यावरण चेतना का प्रतीक और भारतीयता का जीवंत स्वरूप है। इस धाम की पवित्रता और गरिमा को बनाए रखने के लिए हम सबकी भूमिका जरूरी है। आइए, हम सब मिलकर इस अभियान को सफल बनाएं। न केवल श्रद्धा से, बल्कि जागरूकता से भी जुड़ें और काशी को बनाएं भारत का पहला पूर्णतः प्लास्टिक मुक्त तीर्थ।

महत्वपूर्ण बिंदु : एक नजर में

मंदिर परिसर में प्लास्टिक लोटा, टोकरी, थैली आदि प्रतिबंधित।

धातु, मिट्टी या कागज के विकल्पों को बढ़ावा।

दुकानदारों को बांस की टोकरी और स्टील लोटा वितरित। परिसर में सूचना पट और जागरूकता अभियान जारी। श्रद्धालुओं ने खुले मन से निर्णय का स्वागत किया।काशी का धाम अब बनेगा देश के लिए मिसाल, प्लास्टिक मुक्त तीर्थ की ओर ऐतिहासिक पहल है।

कैरेटलेन की फाइन ज्वेलरी कलेक्शन पहली बार भारत में लॉन्च

मुंबई। टाटा का एक उत्पाद, भारत का अग्रणी ओम्नी-चैनल ज्वेलर, कैरेटलेन ने वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ग्लोबल कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के साथ साझेदारी में, 'F.R.I.E.N.D.S' से प्रेरित सोने और हीरे के बेहतरीन ज्वेलरी कलेक्शन के ऑफिशियल लॉन्च की घोषणा की है। एक्सक्लूसिव F.R.I.E.N.D.S कैरेटलेन कलेक्शन ने प्रतिष्ठित सिटकॉम के आकर्षण और पुरानी यादों को सोने और हीरों की दुनिया में लाया है। भारत में ठीक फ्रेंडशिप डे के समय पर प्रस्तुत किया गया यह कलेक्शन ग्राहकों के लिए एक अनूठी सौगात साबित होगा। 'F.R.I.E.N.D.S' ने दुनिया भर में अपनी जबरदस्त फैन-फॉलोइंग बनाई है, आज कई पीढ़ियां इसे अपनी जिन्दगी का हिस्सा मानती हैं। पॉप संस्कृति और दोस्ती पर समान रूप से इसने एक अमिट छाप छोड़ी है। यह कलेक्शन 90 और 2000 के दशक के उन बच्चों के बीच इस शो के प्रति चाहत को फिर से जगाता है, जो चैंडलर के व्यंग्य को दोहराते और फीबी के गानों पर गाते हुए बड़े हुए हैं।

स्वं सहायता समूहों की महिलाओं ने भारतीय सेना के जवानों के लिए दिया राखी का तोहफा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। बनारस स्थित सोन चिरैया स्व सहायता समूह तथा गुलाबो माता स्व सहायता समूह की 11 प्रतिनिधि महिलाओं ने करीब 105 राखियों का एक पैकेट भारतीय डाक के माध्यम से देश के विभिन्न सीमाओं पर तैनात जवानों तक पहुचाने के लिए कर्नल विनोद कुमार को सुपुर्द किया। ये महिलाए दीनदयाल आजीविका योजना (शहरी) के अंतर्गत विभिन्न संगठनों के माध्यम से अपने जीविका चलाने का कार्य करती हैं।

इस अवसर पर स्व सहायता समूहों के सदस्यों को संबोधित करते हुए कर्नल विनोद कुमार ने उनको आश्वासन दिया कि सभी राखी सैनिकों के पास सुरक्षित पहुंचाई जायेंगी ताकि सैनिकों को भावनात्मक रूप से और अधिक शक्ति का एहसास हो सके।

प्रतिनिधियों में सीमा विश्वकर्मा ओम शांति समूह, सुशीला शर्मा आकृति समूह, कुसुम देवी सरस्वती माँ समूह, सरिता सती माँ समूह तथा मोनी पूर्वांचल समूह शामिल थी। श्रीमती श्वेता राय शहर मिशन प्रबंधक, सुशील कुमार शहर मिशन प्रबंधक, तथा बबलू शहर मिशन प्रबंधक भी महिला प्रतिनिधियों के साथ थे। इस अवसर पर कर्नल विनोद ने बताया कि गत वर्ष सिर्फ तीन हजार राखी लिफाफे की बिक्री हुई थी और इस साल केवल पंद्रह दिनों में ही एक लाख से अधिक राखी लिफाफों की खरीद जनता के बीच हो चुकी है और इस बार दो लाख से ज्यादा राखी लिफाफे बेचने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने स्व सहायता समूहों को डाकघर की बचत योजनाओं की जानकारी दी तथा उनके लिए आवश्यक बीमा योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे अपने लिए बेहतर विकल्प के रूप में अपनी सोच को बदलें और बड़ा लक्ष्य बनाएं ताकि उन्हें अपने जीवन में सकारात्मक ऊर्जा मिले जिससे वह अपनी प्रतिभा का परिचय समाज में दिखाते हुए अपनी आमदनी बढ़ा सकें।

हत्या के अभियोग में एक वांछित आरोपी को किया गया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक जफराबाद के नेतृत्व में थाना जफराबाद पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 122/25 धारा 103(1)/351(3)/ 61(2)/3(5)/238 बीएनएस व 3(2) एससी एसटी एक्ट से सम्बन्धित एक वांछित आरोपी मनीषा नागर पत्नी अरविन्द नागर निवासी जगदीशपुर थाना जफराबाद जौनपुर को मुखबीर की सूचना पर जगदीशपुर तिराहे के पास समय 11.00 बजे गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

नव नियुक्त सचिव डॉ. मनोज उपाध्याय को बधाई

नवीमुंबई। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी में डॉ मनोज उपाध्याय को सचिव के पद पर नियुक्ति हुई है। उनके इस नियुक्ति पर रवाले नवी मुंबई से सामाजिक कार्यकर्ता कॉंग्रेस पदाधिकारी साहेब एस.यादव, राजु वानखेड़े,भिम राव भोसले, बालाजी सालवे, उमेश यादव, बी. बी यादव, प्रकाश राव, बाल कृष्ण चराटे, आबिद शाह, रितिक मिश्रा सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त सचिव डॉ मनोज उपाध्याय को हार्दिक बधाई के साथ शुभमनाएं दी।

जिला भू अभिलेख अधीक्षक को मिले स्नेहा दुबे पंडित

वसई। चिंचोबा मंदिर हॉल, तर्खड, वसई में भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण भारत के लिए शुरू की गई परिवर्तनकारी स्वामित्व योजना अब वसई में भी प्रभावी ढंग से लागू की जा रही है। इस पहल के अंतर्गत, वसई के भू-अभिलेख उपाधीक्षक द्वारा आज को वसई विधानसभा क्षेत्र के तर्खड स्थित चिंचोबा मंदिर हॉल में नागरिकों को उनके आधिकारिक संपत्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर मेरे साथ पालघर जिला भू-अभिलेख अधीक्षक नरेंद्र पाटिल, वसई उप-अधीक्षक भू-अभिलेख अमोल बडाडे, वसई नगर मंडल अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दरीवाला, शिवसेना के अतुल पाटिल, साथ ही तरखड ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती ममता पाटिल, उपसरपंच श्रीमती सुनीता लेमोस, संतोष काकड़, चेतन वर्षीकर, मुकुंद मुल्ये, श्रीमती प्रीतम राउत, श्रीमती विजेता सुर्वे, डॉ. सीमा सेंगर मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का हुआ आयोजन

विगत पांच माह से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना में शीर्ष पर है जनपद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना प्रारम्भ की गयी है। जिसके अन्तर्गत युवाओं को स्वरोजगार हेतु रू० 5.00 लाख ऋण बिना ब्याज, बिना गारन्टी के बैंको के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। उक्त योजन के अन्तर्गत जनपद को वर्ष 2025-26 हेतु 2200 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन जिलाधिकारी डा० दिनेश चंद्र द्वारा किया गया। जिलाधिकारी द्वारा कार्यशाला में उपस्थित सभी उद्यमियों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए उपस्थित सभी जिला समन्वयको को योजना में रूचि लेते हुए। प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने हेतु प्रोत्साहित किया। तथा जनपद इस योजना में विगत 05 माह से प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल करने पर जिला स्तरीय टीम एवं बैंकर्स के साथ-साथ जनपद के युवाओं की सहभागिता पर बधाई दी, साथ ही युवाओं से आह्वान किया गया कि योजना का लाभ उठायें एवं रोजगार मांगने वाले नही, बल्कि रोजगार प्रदान करने वाले बने एवं मुख्यमंत्री जी के प्रदेश को 01 ट्रिलियन इकोनामी बनाने के सपने को साकार करने में सहयोग प्रदान करें। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कार्यशाला मे उपस्थित सभी प्रतिभागियों को योजना की विशिष्टता बताते हुए उपस्थित सभी बैंक समन्वयको को आवेदन पत्रों को निस्तारित करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। सी0एम0 युवा मिशन कार्यालय लखनऊ से आयी हुई तकनीकी टीम द्वारा योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए तकनीकी पहलुओं जैसे प्रोजेक्ट तैयार करना।कोटेशन प्राप्त करना। मशीनों के सप्लायर के विषय में बिजनेश आन व्हील, क्लाउड किचन फ्रेंचाईजी सेवा इत्यादि। आवेदन करने में आ रही कठिनाइयों का निराकरण करने की जानकारी भी दी गयी। कार्यशाला में आये हुए प्रतिभागियो द्वारा पूछे गये प्रश्नों का समाधान, समाधान समिति के सदस्यों एवं कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र जौनपुर द्वारा किया गया। कार्यशाला में उपायुक्त उद्योग संदीप कुमार द्वारा युवाओं को अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। तथा सभी बैंक समन्वयको को प्रेषित आवेदन-पत्रों को यथाशीघ्र एवं गुणवत्तापूर्वक निस्तारण करने हेतु आह्वान किया गया। उपायुक्त उद्योग द्वारा बताया गया कि जनपद को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2200 लक्ष्य के सापेक्ष कुल 1414 आवेदन पत्रों पर ऋण वितरण की कार्यवाही बैंको द्वारा की गयी है। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबन्धक उद्योग जय प्रकाश द्वारा किया गया। कार्यशाला में प्रधानाचार्य राजकीय आई0 टी0 आई0 मनीष पाल, प्रतिनिधि अग्रणी जिला प्रबन्धक, यूनियन बैंक आफ इण्डिया, समस्त जिला समन्वयक बैंक जौनपुर, प्रतिनिधि प्राधानाचार्य राजकीय पालिटेक्निक के छात्र/छात्राओं एवं आरसेटी तथा कौशल विकास मिशन के बड़ी संख्या में युवाओं द्वारा उक्त कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया। लखनऊ से आये समाधान समिति के विशेषज्ञ रनवीर सिंह, सौरभ शुक्ला एवं जय तिवारी द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया। कार्यशाला में सहायक प्रबन्धक उद्योग राम नवल चौहान, सहायक प्रबन्धक उद्योग रणजीत कुमार वर्मा एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहें।

लोकतंत्र की सुरक्षा हेतु मतदाता सूची की करें निगरानी : राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी जौनपुर की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में दिन में 11 बजे होटल रिवर व्यू में संपन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार में संवैधानिक संस्थाएं नैतिकता से परे काम कर रही हैं।लोकतंत्र में बाबासहब डॉ.भीमराव अंबेडकर जी के द्वारा दिए गए मताधिकार एक मजबूत माध्यम है अपने अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए।आज बिहार में पीडीए समाज को मताधिकार से वंचित कर पीडीए समाज के अधिकारों का हनन किया जा रहा है।ऐसे में हमें पीडीए समाज के अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए मताधिकार हेतु मतदाता सूची की निगरानी करनी चाहिए। तभी लोकतंत्र बचेगा और पीडीए समाज का अधिकार संरक्षित किया जा सकता है। ऐसे में कार्यकताओं से स्नातक, शिक्षक और पंचायत चुनाव में सफलता हेतु मतदाता सूची का सत्यापन और मत बनाए जाने पर सतत कार्य किये जाने के निर्देश दिए जाते हैं।

बैठक को विधायक तूफानी सरोज, पूर्व एमएलसी लल्लन प्रसाद यादव, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान,आदि ।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने विधानसभा क्षेत्र सदर के निवासी घनश्याम गौतम को पार्टी की सदस्यता दिलाई। पूर्व ए बीएसए राम आसरे गौतम को समाजवादी बाबासाहब अंबेडकर वाहिनी का राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर स्वागत किया गया। बैठक के उपरांत उपस्थित सपाजनों ने जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य को जन्मदिन पर केक काट कर बधाई दी एवं दीघार्यु होने की कामना की गई। बैठक के अंत में देश के आदिवासी नेता झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सुरेंद्र दिशा में गुरु के दुखद निधन पर तथा पार्टी की वरिष्ठ नेता श्रीमती मंजूरानी मौर्य के पति डॉ. जवाहर मौर्य के देहांत पर, तो हम लोग का सलाम चंद यादव के छोटे भाई शिक्षक संगठन से जुड़े रहे उमेश यादव जी के निधन पर, नितिन यादव सैफई के भतीजे वैभव यादव के आकस्मिक निधन पर तथा करेंट की चपेट में आकर बसमत्ती बनवासी एवं उनके पुत्र लोदी और शमशेर चौहान की निर्मम हत्या पर दो मिनट का मौन रख कर गहरा शोक व्यक्त किया गया। मासिक बैठक का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने #BachaateRaho अभियान के साथ भाई-बहन के रिश्ते का उत्सव मनाया

मुंबई। भारत की अग्रणी निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने रक्षाबंधन के अवसर पर एक विशेष अभियान #BachaateRaho लॉन्च किया है, यह अभियान एक भावुक फिल्म के माध्यम से भाई-बहन के रिश्ते की गहराई और भावनाओं को खूबसूरती से दशार्ता है। यह फिल्म उन छोटे-छोटे पलों को उजागर करती है, जिनमें भाई-बहन एक-दूसरे की परवाह और समर्थन करते हैं, ऐसे लम्हे जो दिखने में मामूली होते हैं, लेकिन जीवनभर याद रहते हैं और इस रिश्ते को खास बनाते हैं। फिल्म की शुरूआत एक ऐसे दृश्य से होती है, जहां पिता और बेटी क्रिकेट मैच में पूरी तरह खोए हुए होते हैं, तभी छोटा भाई घबराया हुआ घर आता है और अपनी बहन से मदद मांगता है।एक आम लेकिन भावनात्मक पारिवारिक क्षण में, बहन आगे बढ़कर मदद करती है और अपने पिता से अनुरोध करती है कि वे छोटे भाई की क्रिकेट प्रतिभा को प्रोत्साहित करें। यह कहानी बेहद खूबसूरती से भाई-बहन के अटूट बंधन को दशार्ती है, और यह संदेश देती है कि कोई भी स्थिति रिश्तों से बड़ी नहीं होती। फिल्म में इस पहलू को सहज रूप से शामिल किया गया है, जहां दिखाया गया है कि भाई द्वारा क्षतिग्रस्त की गई कार, कंपनी के बीमा कवर के अंतर्गत सुरक्षित है। विज्ञापन में तत्काल वीडियो क्लेम सहायता और डोर-टू-डोर पिक-अप व ड्रॉप जैसी सुविधाओं को भी सहज रूप से दशार्या गया है, जिससे कंपनी को एक भरोसेमंद और सहायक साथी के रूप में पेश किया गया है, ठीक उसी तरह जैसे भाई-बहन का एक विश्वसनीय रिश्ता होता है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के सीईओ राकेश जैन ने कहाः श्रक्षाबंधन एक ऐसा पर्व है जो अटूट रिश्तों, दिल से किए गए वादों और अपनों की सच्ची हिफाजत के संकल्प का उत्सव है। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस में हमारा मानना है कि सच्ची सुरक्षा केवल परंपरा तक सीमित नहीं होती। यह अपनों को दी जाने वाली स्थायी सुरक्षा, मानसिक शांति और भावनात्मक भरोसे से जुड़ी होती है। बीमा एक बेहद अर्थपूर्ण तरीका है यह कहने का किः ह्यचाहे कुछ भी हो जाए, मैं तुम्हारे साथ हूं। इस रक्षाबंधन, हम परिवारों से आग्रह करते हैं कि वे इस त्योहार की भावना का सम्मान करें और अपने प्यार को ऐसे ठोस कदमों से सशक्त बनाएं जो जीवनभर सुरक्षा प्रदान करें।

मीरा भयंदर पुलिस आयुक्त को मिली स्नेहा दुबे पंडित

वसई रोड। पुलिस आयुक्तालय कार्यालय, मीरा रोड (पूर्व), मीरा-भायंदर में मुंबई अहमदाबाद राजमार्ग पर वसई-विरार पर बढ़ते यातायात और बढ़ते अपराध के संबंध में मीरा-भायंदर-वसई-विरार पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक के साथ वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने एक महत्वपूर्ण बैठक किया जिसमें चिंचोटी, कामन, घोड़बंदर रोड और मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर यातायात की समस्या के समाधान के लिए अगले सप्ताह सड़कों की मरम्मत का काम शुरू होगा और यातायात परिवर्तन तथा नागरिकों को उचित निर्देश देने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। नागरिकों को होने वाली असुविधा से बचने के लिए, पूर्व सूचना के माध्यम से सूचना देने, हल्के और भारी वाहनों के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित करने और मार्ग की उचित योजना बनाने पर चर्चा की गई।

वसई-विरार क्षेत्र में बढ़ती नशीली दवाओं की मात्रा और उसके कारण होने वाले अपराधों पर विशेष चिंता व्यक्त की गई। 15 अगस्त के बाद, पुलिस प्रशासन और सामाजिक संगठनों के साथ गाँवों में श्जन जागरूकता अभियानश चलाने पर चर्चा हुई। इस बैठक में यातायात, सुरक्षा और सामाजिक मुद्दों पर सकारात्मक और समन्वित चर्चा हुई। इस समय, मीरा-भायंदर-वसई-विरार पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, मीरा-भायंदर नगर आयुक्त राधाबिनोद शर्मा, लोक निर्माण विभाग के उप अभियंता गीते, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे और सभी यातायात पुलिस अधिकारी इस महत्वपूर्ण बैठक में मेरे साथ उपस्थित थे।

डॉ. हेमंत सावरा ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात किया

वसई रोड। पालघर जिले के निवासी उमेश किशन धोड़ी धोखाधड़ी के बाद अल्बानिया (यूरोप) में फंस गए हैं और वर्तमान में बेहद खतरनाक और असुरक्षित परिस्थितियों में रह रहे हैं। सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात की और इस गंभीर मामले में हस्तक्षेप करने के लिए एक ज्ञापन के माध्यम से तत्काल मदद की गुहार लगाई। उमेश धोड़ी को नौकरी के बहाने वडोदरा के एक एजेंट के माध्यम से जनरल हेल्पर के रूप में अल्बानिया भेजा गया था। हालाँकि, वास्तव में, उन्हें झाड़ू लगाने और अन्य कठिन काम करने के लिए मजबूर किया गया था। बाद में उन्हें बिना कोई उचित कारण बताए नौकरी से निकाल दिया गया। वर्तमान में, उन्हें भोजन, आश्रय और चिकित्सा सहायता जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है और स्थिति और भी गंभीर हो गई है और अल्बानिया में स्थानीय एजेंट उमेश धोडी को जान से मारने की धमकी दे रहा है। इस संदर्भ में, डॉ. हेमंत सावरा ने सरकार से निम्नलिखित तत्काल कदम उठाने की माँग की है। उमेश धोडी की तत्काल तलाश और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें और कानूनी और काउंसलर सहायता प्रदान करें। उनकी सुरक्षित भारत वापसी की व्यवस्था करें। भारत और अल्बानिया में इस धोखाधड़ी में शामिल एजेंटों के विरुद्ध कार्रवाई करें। डॉ. हेमंत सावरा ने भारत सरकार से इस मामले में तत्काल कार्रवाई करने और एक भारतीय नागरिक के जीवन और प्रतिष्ठा को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करने का अनुरोध किया है।

मेघाश्रेय सर्वोत्तम नागरिक सम्मान समारोह संपन्न, राज्यपाल ने की संस्था की सराहना

मुंबई। विगत वर्षो की तरह इस वर्ष भी मेघाश्रेय संस्था द्वारा सर्वोत्तम नागरिक सम्मान समारोह 2025 कार्यक्रम का भव्य आयोजन सहारा स्टार होटल, विले पार्ले के सभागृह में हर्षोल्लास के साथ किया गया। जिसमें देश के अलग अलग क्षेत्र से अपने अपने सामाजिक कार्यों में देश का नाम रोशन करने वाले वैज्ञानिक,उद्योग जगत, शिक्षा जगत, मीडिया जगत, फिल्म इंडस्ट्री व अन्य सामाजिक क्षेत्र में में विशेष योगदान देने वाले विभूतियों को महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, सभापति राम शिंदे, मुंबई भाजपा अध्यक्ष एडवोकेट आशीष शेलार तथा मेघाश्रेय संस्था की संस्थापिका सीमा सिंह के हाथों सर्वोत्तम नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मेघाश्रेय संस्था की अध्यक्षा सीमा सिंह को बधाई देते हुए कहा कि सीमा सिंह ने पूरे देश के कोने कोने से अपनी मेहनत और परिश्रम से देश का गौरव बढ़ाने वाले देश के कोहिनूरों को सम्मान देने के लिए जो खोज निकाला है, उसके लिए मैं सीमा सिंह को बधाई देता हूं । उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा किये जा रहे ऐसे कार्यों के लिए ये अभिनंदन की पात्र हैं। मै उम्मीद करता हूं कि इसी तरह का कार्य संस्था आगे भी करती रहेगी। राज्यपाल ने कहा कि मैं इस कार्यक्रम में आकर ऐसे विभूतियों के साथ इनके बीच अपने को पाकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि मेघाश्रेय संस्था को जहाँ भी मेरी जरूरत पडेगी मैं इस संस्था के साथ हमेशा खड़ा मिलूगा । सम्मान पाने वालों में प्रमुख रूप से पद्म विभूषण डॉ अनिल काकोडकर, पद्म विभूषण विजय भाटकर, पद्मश्री शंकर महादेवन, पद्म भूषण डॉ अश्विन मेहता, मोहित सूरी, प्रो. रविंद्र कुलकर्णी, शिशिर बजाज, पद्मश्री कुमार शानू, अजिंक्य रमेश देव, मुक्केबाज विजेंद्र सिंह, मीडिया जगत से नविका कुमार, फिल्म जगत से अनुपम खेर, इम्तियाज अली, रूपा गांगुली जैसी तमाम हस्तियों को मेघाश्रेय सर्वोत्तम नागरिक सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया । इस मौके पर आये हुए सभी अतिथियों का संस्था की अध्यक्षा सीमा सिंह, श्रेयेस सिंह, मेघना सिंह ने पुष्पगुच्छ, शॉल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। इस मौके पर सीमा सिंह ने कहा कि अलग-अलग क्षेत्र से अपना नाम रोशन करने वाली विभूतियों को मेघाश्रेय द्वारा सम्मानित करने तथा इनके बीच रहने पर जो कुछ इनसे सीखने को मिलता है, वह देश के हर नागरिक को सीखना और समझना चाहिए ।जिस दिन ऐसे विभूतियों के साथ देश के हर नागरिक चलने का प्रयास किया तो समझ लेना हमारा देश पुनः एक बार सोने की चिड़िया कहलाएगा तथा विश्व पटल पर अपना नाम प्रथम स्थान पर फहराऐगा। सीमा सिंह ने कहा कि यह नया भारत है। देश के प्रधानमंत्री के परिश्रम और इनके कार्यों को देखकर हमें भी कुछ सीखने को मिलता है। उसी का हम अनुसरण कर इस तरह के कार्यों को करने में अपने को गौरवान्वित समझते हैं। ऐसे ही हमारी संस्था हर साल सर्वोत्तम नागरिक सम्मान से देश में अपने अलग-अलग क्षेत्र में शानदार योगदान देने वाले सम्मानित नागरिकों का सम्मान करने का कार्य करती रहेगी। इस मौके पर हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

सोनालीका ने अप्रैल-जुलाई 2025 के बीच 53,772 ट्रैक्टरों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की

पटना। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ने वित्त वर्ष 2026 के अपने सफर में लगातार प्रगति जारी रखी है और केवल 4 महीनों में 50,000 ट्रैक्टर बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने अप्रैल-जुलाई 2025 के बीच 53,772 ट्रैक्टरों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की है, जो कंपनी के इनोवेशन और मजबूत मूल्यों को दशार्ता है, साथ ही घरेलू बाजार में ब्रांड के निरंतर विकास का आधार हैं। सोनालीका कृषक समुदाय को बेहतर फसल प्राप्त करने हेतु अत्याधुनिक कृषि मशीनीकरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सोनालीका का विश्व का नंबर 1 ट्रैक्टर प्लांट रोबोट द्वारा संचालित है जो 2 मिनट में एक हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर तैयार करने में सक्षम है। यह प्लांट उन्नत प्रक्रियाओं से लैस है और यहाँ ट्रैक्टर में लगने वाली लगभग हर पार्ट बनाया जाता है - ताकतवर और ईंधन कुशल इंजन, बेहतरीन ट्रांसमिशन और उन्नत हाइड्रोलिक्स, जो विभिन्न क्षेत्रों में किसानों की क्षेत्र-केंद्रित जरूरतों को पूरा करते हैं। कंपनी आगामी त्योहारी सीजन की माँग को पूरा करने और भारत में अपने सबसे बड़े चैनल पार्टनर नेटवर्क के माध्यम से किसानों के त्योहारों का आनंद सुनिश्चित करने हेतु पूरी तरह तैयार है।